UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-290 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026 youngbharatepaper.com

लखनऊ में 12 हजार करोड़ का मेगा प्रोजेक्ट: वरुण विहार-नैमिष नगर का सीएम योगी ने किया शुभारंभ, 4520 प्लॉट का रजिस्ट्रेशन शुरू

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: राजधानी लखनऊ के सुनियोजित और आधुनिक शहरी विस्तार को लेकर गुरुवार को बड़ा कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की महत्वाकांक्षी वरुण विहार और नैमिष नगर आवासीय योजनाओं का भूमि पूजन कर शुभारंभ किया। दोनों योजनाएं मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत करीब 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से 10,680 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने करीब 2,166 करोड़ रुपये की पांच बहुमंजिला आवासीय परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया।

एलडीए के मुताबिक, दोनों टाउनशिप के पहले चरण में 4,520 आवासीय भूखंडों के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है। आवेदन की प्रक्रिया 24 सितंबर से 24 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। एलडीए की वेबसाइट पर भी 24 सितंबर से इन दोनों योजनाओं के पंजीकरण शुरू होने की सूचना दी गई है।

4,520 प्लॉट के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के अनुसार, वरुण विहार और नैमिष नगर के पहले चरण में कुल 4,520 आवासीय भूखंड उपलब्ध कराए गए हैं। इच्छुक आवेदक निर्धारित अवधि में ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। योजनाओं में अलग-अलग आकार के भूखंड उपलब्ध हैं।दोनों योजनाओं में एकमुश्त भुगतान का विकल्प चुनने वाले आवेदकों को आवंटन प्रक्रिया में वरीयता दिए जाने की बात कही गई है। एलडीए इन टाउनशिप को आधुनिक आवासीय सुविधाओं, बेहतर कनेक्टिविटी, हरित क्षेत्रों और नागरिक सुविधाओं से युक्त विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। सीतापुर रोड और आईआईएम रोड क्षेत्र में विकसित की जा रही नैमिष नगर योजना करीब 4,100 एकड़ में आकार ले रही है। इसका क्षेत्र मां चंद्रिका देवी मंदिर और नैमिषारण्य धाम से जुड़े होने के कारण धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यूपीएटीएस को बड़ी कामयाबी: एक्यूस मॉड्यूल का मकसूद अली कोयंबटूर से गिरफ्तार, पाकिस्तानी हैकरों से संपर्क का खुलासा

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूस) की कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़े मॉड्यूल के खिलाफ उत्तर प्रदेश एटीएस को बड़ी सफलता मिली है। पूर्व में गिरफ्तार अभियुक्त मोहम्मद नबील से पूछताछ और विवेचना के दौरान सामने आए अहम सुरागों के आधार पर यूपी एटीएस ने तमिलनाडु एटीएस के समन्वय से उसके मुख्य सहयोगी मकसूद अली को तमिलनाडु के कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) अमिताभ यश ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जांच में सामने आया है कि यह मॉड्यूल भारत के खिलाफ साइबर और जमीनी आतंकी गतिविधियों की साजिश रच रहा था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाया गया है, जहां उसे सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एडीजी अमिताभ यश के अनुसार, गिरफ्तार मकसूद अली मोहम्मद नबील और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ हिंसक जिहादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश में शामिल था। तकनीकी जांच में उसके पाकिस्तान के कुछ हैकरों के संपर्क में होने की जानकारी सामने आई है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, मकसूद संवेदनशील डेटा और कंप्यूटर सिस्टम को निशाना बनाने के उद्देश्य से साइबर टूल्स विकसित करने के प्रयास में जुटा था। एटीएस अब उसके डिजिटल संपर्कों और साइबर गतिविधियों से जुड़े साक्ष्यों की भी जांच कर रही है। पूछताछ में मकसूद ने बताया कि उसने पाइथन, जावा, कोडिंग और साइबर हैकिंग से

संबंधित जानकारी किसी संस्थान में औपचारिक प्रशिक्षण लेकर नहीं, बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से हासिल की। इनमें इंस्टाग्राम, यूट्यूब, टेलीग्राम और विभिन्न व्हाट्सऐप ग्रुप शामिल बताए गए हैं। एटीएस के अनुसार, अपनी तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल करते हुए मकसूद ने एक सुरक्षित संचार एप्लीकेशन तैयार किया था। जांच में आरोप है कि इस ऐप के माध्यम से नबील, मकसूद और मॉड्यूल से जुड़े अन्य सदस्य आपस में गुप्त संवाद करते थे। जांच में यह भी सामने आया है कि मकसूद दो अलग-अलग व्हाट्सऐप अकाउंट संचालित कर रहा था और इनसे कई ग्रुप जुड़े हुए थे। एटीएस के मुताबिक, इन ग्रुपों में कुछ पाकिस्तानी मोबाइल नंबर भी सक्रिय पाए गए हैं। जांच एजेंसियां इन ग्रुपों में साझा की जा रही कट्टरपंथी और जिहादी सामग्री की भी पड़ताल कर रही हैं। इसके अलावा, पूर्व में गिरफ्तार मोहम्मद नबील द्वारा संचालित बताए जा रहे

बदनाम भूमि हड़पु सरगना अनुभव दहशत में आकर है फरार, माँ बाप काट रहे है दफ्तरों के चक्कर

शहर के कुख्यात भूमि हड़पु गिरोह के सरगना अनुभव की अवैध कामाई से फूले न समाने वाले माता पिता अब घूम रहे हैं अधिकारियों के दरवाजों पर दया की भीख मांगते

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

उरई। अनेकों शरीफ, गरीब और पैरवी अथवा लड़ाई लड़ पाने में अक्षम व्यक्तियों की कीमती जमीनों को गिरोह बनाकर हड़प लेने तथा उससे प्राप्त धन से लग्जरी जिंदगी बिताने वाले कुख्यात अनुभव के परिवार को पुलिस का रुख टेड़ा होते ही पड़ गए हैं लेने के देने।

स्मरण रहे कि अनुभव उरई का खानदानी भूमि हड़पु है इसके पिता सील भी पुराने जमाने से दूसरों की जमीन हड़पने का काम करते आ रहे हैं। यही विद्या उन्होंने अपने पुत्रों को सिखाई । फलस्वरूप उनका पुत्र अनुभव अपने छोटे भाई कौस्तुम्भ के साथ मिलकर एक भूमि हड़पु गिरोह का संचालन करता है। कमजोर पड़ने वाले तमाम लोगो की कीमती जमीने हड़प कर यह और इसका परिवार न सिर्फ उरई में लग्जरी जिंदगी जी रहे है बल्कि नोएडा में भी अपना एक आशियाना बनाए हुए हैं। पिता से गुरु दीक्षा लेकर अनुभव अपने पिता से भी बड़ा भूमि हड़पु बन गया है और लग्जरी गाड़ियों से घूम कर गुंडा और मवालियों के साथ अपने विरोधियों पर रौब झाड़ता है। यही नही लेनदेन में विश्वास रखनव वाले स्थानीय सत्ताधारी नेताओं तथा तहसील , पुलिस और प्रशासन के घूसखोर कारिंदों से भी अवैध कमाई का दम से लेनदेन करता है। हद तो तब हो गई जब यह छोटे स्टाफ को खिलाते पिलाते इसका दुस्साहस इतना बड़ा की ये निवर्तमान डीएम राजेश पांडेय के चेम्बर तक बेधड़क आने जाने लगा और उनको भी खुश रखने लगा । जिसके परिणामस्वरूप इसके खिलाफ जितनी भी शिकायते आईं उन्हें पिछले डीएम ने अपने प्रभाव से दर्ज नही होने दिया। तो यह

टीका लगाकर गुर्राता था शरीफों पर शेर की तरह, एक एफआईआर हुई तो फरार होकर बिल में जा घुसा चोरों की तरह

परिवार फूल कर और चौड़ा हो गया किंतु ईश्वर के यहां न्याय और अन्याय का मूल्यांकन तो होता ही रहता है जैसे ही डीएम राजेश पांडेय जिले से रुख्सत हुए तभी अनुभव के गिरोह से पीड़ित लोगों ने अपनी शिकायतें नए जिलाधिकारी तथा संबंधित अन्य अधिकारियों को सौंपी तथा अपनी पीड़ा बताई। तो भूमि हड़पु परिवार के विरुद्ध न्याय प्रिय अधिकारियों का रुख हो गया। अदालत से आये जमीन के फर्जीवाड़े के एक मामले में एफआईआर दर्ज करने के आदेश के क्रम में अभी मात्र एक एफआईआर अनुभव तथा उसके गिरोह के विरुद्ध दर्ज हुई है। मगर एफआईआर दर्ज होते ही इस परिवार की पूरी हेकड़ी निकल गई ।लम्बी बातें हांकने वाले सील अपनी पत्नी को लेकर आलाधिकारियों के दरवाजे जाकर दया की भीख मांग रहे हैं और अपने लड़कों को बड़ा शरीफ और ईमानदार बताने से भी नही चूक रहे। मगर इनका भंडा मीडिया में भी पूरी तरह से फूट गया है । इस कारण अब कोई भी अधिकारी इनके और इनके अवैध धंधेबाज पुत्रो के पक्ष में पैरवी के लिए नही आ रहा है। स्थिति उल्टी देख अनुभव एक चालक अपराधी की तरह रातोंरात घर छोड़ कर भाग गया है। और उसे अपराध कर्म की सीख देने वाले माँ बाप सरकारी हलकों में गिड़गिड़ाते घूम रहे हैं। भूमि हड़पु अनुभव के गिरोह के विरुद्ध एफआईआर दर्ज होने लगीं हैं यह जानकर इनसे पीड़ित अनेकों फरियादी रोज डीएम और एसपी के दफ्तरों में एफआईआर लिखाने के लिए पहुंचने लगे हैं तथा इस पूरे गिरोह जो समाज को डरवा कर उनकी जमीने लूट रहा है के विरुद्ध कठोर पुलिस कार्यवाही और गैंगस्टर लगाने की मांग कर रहे हैं

- **सील भी पुराने भूमि हड़पु हैं उरई के**
- **उनकी पत्नी और अनुभव की माँ के ऊपर भी लगे हैं आरोप फर्जी बैनामो के**
- **अभी तक तो सब सीधी सीधी चल रही थी, परिस्थितिया बदली तो सब कुछ उल्टा हो गया**
- **पहली ही एफआईआर के झटके में अनुभव हो गया फरार**
- **उसके गैंग के मास्टरमाइंड महेंद्र सिंघानिया पहले ही एक घपले में गिरफ्तार होकर जेल में बुरे दिन काट रहा है**
- **पुलिस खंगाल रही है सील और अनुभव के गिरोह के कारनामों के पूरे रिकॉर्ड**
- **अनुभव की माँ भी आ सकती हैं पुलिस कार्यवाही के घेरे में**

कानपुर-बुंदेलखंड पर भाजपा की खास नजर, प्रदीप वर्मा को जिम्मेदारी से बड़ा सियासी संदेश

राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी संगठनकर्ता को कमान, 2027 के लिए भाजपा ने कसी कमर

अनिल शर्मा +संजय श्रीवास्तव

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र को लेकर अपनी रणनीति को और स्पष्ट कर दिया है। झारखंड से राज्यसभा सदस्य और भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी संगठनकर्ता प्रदीप वर्मा को उत्तर प्रदेश का सह-प्रभारी बनाए जाने के बाद कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपा जाना कई राजनीतिक संकेत दे रहा है।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के इस निर्णय से साफ है कि पार्टी इस क्षेत्र को केवल एक सामान्य संगठनात्मक इकाई के तौर पर नहीं, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टि से महत्वपूर्ण और रणनीतिक क्षेत्र के रूप में देख रही है।

अलग राजनीतिक मिजाज वाला क्षेत्र

कानपुर-बुंदेलखंड की राजनीति का अपना अलग मिजाज और सामाजिक ताना-बाना है। बुंदेलखंड के कई क्षेत्रों में लंबे समय तक समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का प्रभाव रहा है। समय के साथ यहां राजनीतिक समीकरण बदले हैं और भाजपा ने भी अपना मजबूत आधार तैयार किया है, लेकिन क्षेत्र की स्थानीय राजनीति में सामाजिक समीकरण, जातीय संतुलन और स्थानीय नेतृत्व की भूमिका आज भी महत्वपूर्ण बनी हुई है। इसी बीच समाजवादी पार्टी भी आगामी चुनाव को लेकर क्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ा रही है। ऐसे में भाजपा द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर संगठन का लंबा अनुभव रखने वाले नेता को क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि पार्टी 2027 की लड़ाई को बूथ और विधानसभा स्तर तक बेहद गंभीरता से ले रही है।

सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, रणनीति का हिस्सा

प्रदीप वर्मा को मिली जिम्मेदारी को केवल संगठनात्मक फेरबदल के तौर पर देखना पर्याप्त नहीं होगा। राष्ट्रीय संगठन में काम करने का अनुभव रखने वाले वर्मा के सामने अब कानपुर-बुंदेलखंड में संगठन की जमीनी स्थिति को समझने, कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करने, विधानसभा क्षेत्रों की राजनीतिक परिस्थितियों का आकलन करने और प्रदेश नेतृत्व की चुनावी रणनीति को जमीन तक पहुंचाने की चुनौती होगी। भाजपा के लिए यह क्षेत्र इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां चुनावी राजनीति केवल प्रदेशव्यापी मुद्दों से तय नहीं होती, बल्कि स्थानीय नेतृत्व, सामाजिक समीकरण और बूथ स्तर की संगठनात्मक मजबूती भी निर्णायक भूमिका निभाती है।

शीर्ष नेतृत्व ने दिया गंभीरता का संदेश

भाजपा ने उत्तर प्रदेश के लिए प्रदेश प्रभारी के साथ कई सह-प्रभारियों की जिम्मेदारियां तय की हैं। ऐसे समय में प्रदीप वर्मा जैसे अनुभवी नेता को कानपुर-बुंदेलखंड की जिम्मेदारी मिलना पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की क्षेत्र को लेकर गंभीरता का संकेत है। राजनीतिक हलकों में इस निर्णय को इस नजर से भी देखा जा रहा है कि भाजपा 2027 से पहले प्रत्येक क्षेत्र की अलग राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार रणनीति तैयार करना चाहती है। यानी एक रणनीति पूरे प्रदेश के लिए नहीं, बल्कि क्षेत्रवार राजनीतिक जरूरत के हिसाब से संगठन को सक्रिय करने की कवायद।

कार्यकर्ताओं से संवाद पर रहेगा जोर

कानपुर-बुंदेलखंड में नई जिम्मेदारी के साथ प्रदीप वर्मा की भूमिका सिर्फ बैठकों और समीक्षा तक सीमित नहीं रहने वाली है। क्षेत्र के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संवाद, संगठन की वास्तविक स्थिति की जानकारी और स्थानीय स्तर पर सामने आ रही चुनौतियों की पहचान उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हो सकती है। भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह होगा कि संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर तालमेल बने और चुनावी तैयारी समय रहते बूथ स्तर तक पूरी हो।

2027 से पहले बड़ा संगठनात्मक संदेश

दरअसल, उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए राष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। ऐसे में कानपुर-बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र में अनुभवी राष्ट्रीय नेता को जिम्मेदारी देना पार्टी की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें संगठन को चुनाव से काफी पहले सक्रिय कर क्षेत्रवार कमजोरियों और संभावनाओं पर काम किया जाए। प्रदीप वर्मा की नई जिम्मेदारी इसलिए केवल एक संगठनात्मक नियुक्ति नहीं, बल्कि कानपुर-बुंदेलखंड को लेकर भाजपा की चुनावी प्राथमिकता का संकेत भी है। अब देखना होगा कि राष्ट्रीय संगठन के अनुभव से लैस वर्मा किस तरह क्षेत्र के अलग-अलग राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को समझते हुए भाजपा के संगठन को 2027 की चुनौती के लिए तैयार करते हैं।

त्यौहारों से पूर्व एसपी ने पुलिस को जन उपयोगी बनाने हेतु पुलिस स्टाफ को किया फेंट दिया ताश के पत्तों की तरह

34 दरोगा सहित 16 महिला पुलिसकर्मी इधर-उधर

(यंग भारत न्यूज)

उरई। आगामी त्योहारों को देखते हुए जालौन जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया है। एसपी ने 34 पुरुष उपनिरीक्षकों, तीन महिला उपनिरीक्षकों, पांच महिला हेड कांस्टेबल और आठ महिला कांस्टेबलों का स्थानांतरण किया है। तबादला सूची जारी होने के बाद संबंधित पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस विभाग में हुए इस फेरबदल को आगामी त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। खासतौर पर महिला पुलिसकर्मियों की नई तैनाती से थानों में महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों के निस्तारण और महिला डेस्क की कार्यप्रणाली को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार पुलिसकर्मियों की तैनाती में बदलाव का उद्देश्य जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण, अपराध नियंत्रण और थानों की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाए रखना है।

चौकी प्रभारियों की भी बदली जिम्मेदारी

जारी सूची के अनुसार उपनिरीक्षक रमाशंकर तिवारी को चौकी प्रभारी मंडी, कोतवाली उरई से स्थानांतरित कर चौकी प्रभारी बल्लभ नगर, कोतवाली उरई बनाया गया है। वहीं उपनिरीक्षक वीरेंद्र बहादुर सिंह को चौकी प्रभारी तिलक नगर से हटाकर चौकी प्रभारी मंडी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा पुलिस लाइन में तैनात कई उपनिरीक्षकों को जिले के अलग-अलग थानों में नई तैनाती दी गई है।

पुलिस लाइन से थानों में भेजे गए उपनिरीक्षक

पुलिस लाइन से इदरीस अहमद को डकोर, सुरेंद्र कुमार को चौकी प्रभारी तिलक नगर, उदयपाल सिंह को कदौरा, अकील अहमद और महिपाल सिंह को कालपी, जितेंद्र सिंह को आटा, अवधेश सिंह और बृजमोहन को कोंच, बृजकिशोर व विशुन दयाल (विशुनी यादव) को नदीगांव भेजा गया है। इसी क्रम में रामजी सिंह व डोरीलाल को रेंढर, श्यामवीर सिंह को गोहन, शफीक अहमद व मेघ सिंह को जालौन, कमलेश कुमार व राम सिंह को एट, चरन सिंह, दिनेश कुमार व राकेश कुमार को माधोगढ़, उमेश तिवारी को कोंच, कौशलेन्द्र सिंह को चुरखी, सुनील कुमार, योगेश कुमार, नसीम हसन और अश्वनी कुमार को कोतवाली उरई में तैनाती दी गई है। इसके अलावा ओमप्रकाश यादव को कालपी, रामकुमार द्विवेदी को कुठौंद, दूसरे ओमप्रकाश यादव को महिला थाना, अजयपाल को कैलिया, रामविलास को रामपुरा और प्रेम बहादुर सिंह को जगम्मनपुर भेजा गया है।

महिला पुलिसकर्मियों की भी नई तैनाती

महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती में भी बदलाव किया गया है। महिला उपनिरीक्षक अनीता देवी को कोतवाली उरई, प्रियंका देवी को माधोगढ़ और सन्नो देवी को जालौन में तैनाती दी गई है। वहीं महिला हेड कांस्टेबलों में ममता देवी को डकोर, अर्चना राजपूत को रैढर, कुमारी राजबेटी को कुठौंद, मंजू देवी यादव को कैलिया और राधा राजपूत को रामपुरा भेजा गया है। महिला कांस्टेबलों में प्रांजल पटेल को चुरखी, रीता शाक्य को माधोगढ़, भारती चौहान और पिंकी यादव को कोंच, मधु को कोटरा, रिंकी को गोहन, संजीला त्यागी को एट और आरती यादव को सिरसी कलार में नई तैनाती मिली है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार स्थानांतरण के बाद संबंधित पुलिसकर्मियों के नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने से थानों और चौकियों की कार्यप्रणाली में बदलाव आएगा। आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस बल की नई तैनाती के जरिए सुरक्षा व्यवस्था, महिला संबंधी शिकायतों के निस्तारण और कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

अखिलेश का सरप्राइज़... बीजेपी का सीक्रेट प्लान... राज्यसभा की 10 सीटों के लिए गजब खेला हो गया?

(यंग भारत न्यूज)

विधानसभा चुनाव के लिए किसकी क्या तैयारी है. इसका ट्रेलर राज्यसभा चुनाव से दिख जाएगा. क्योंकि विधानसभा चुनाव से पहले यूपी में राज्यसभा चुनाव के लिए गजब का माहौल बन गया है.

यूपी में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए चुनाव होना है और इन 10 सीटों पर बीजेपी 7 पर आराम से जीत सकती है, तो वहीं अखिलेश 2 सीटें आसानी से निकाल लेंगे, लेकिन एक सीट ऐसी बची है, जिस पर गजब खेला होगा. क्योंकि जो भी इस एक्सट्रा सीट को जीतेगा वो एक्सट्रा कॉफिडेंस के साथ यूपी के चुनाव में उतरेगा. आज आपको बताएंगे कि राज्यसभा चुनाव के लिए अखिलेश यादव ने क्या सरप्राइज दिया है. और उधर बीजेपी ने कौन सा सीक्रेट प्लान बनाया है ? यूपी चुनाव से पहले पर्दे के पीछे क्या खेल चल रहा है ? क्योंकि लोग हैरान हो रहे हैं कि कोई सियासी दुश्मन की तारीफ कर रहा है, तो किसी एक खेमे का नेता दूसरे खेमे के साथ दिख रहा है. यूपी में इस वक्त बात राज्यसभा चुनाव की हो रही है. 10 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होना है और समाजवादी पार्टी ने दो सीटों पर कैंडिडेटों के नाम का ऐलान कर दिया. और आज ही समाजवादी पार्टी के दोनों उम्मीदवारों ने नामांकन भी दाखिल कर दिया है. एक सीट पर रामगोपाल यादव और दूसरी सीट के लिए उद्योगपति धनराज नाथवानी ने नॉमिनेशन फाइल किया है. अखिलेश यादव की निगाहें तीसरी सीट जीतने पर भी है. क्योंकि यूपी में पिछले राज्यसभा चुनाव में मिली हार का दर्द भी अखिलेश को सता रहा है. इस बार अखिलेश यादव कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं और अपील कर रहे हैं कि जो लोग पिछली बार की गलती सुधारना चाहते हैं उनका स्वागत है. अखिलेश यादव ने कहा, 'लोकतंत्र की व्यवस्था यही है कि जनता से चुनकर के आते हैं. फिर वो लोग चुनते हैं. पिछली बार जो हार हुई उसका कारण भी आपको पता है. हम तो बहुत से लोगों को कह रहे हैं कि पुराना अगर धुलना है तो ये मौका अच्छा है. लोकतंत्र में बेईमानी नहीं होनी चाहिए. भारतीय जनता पार्टी की बेईमानी पिछली बार नहीं होती तो समाजवादी पार्टी के तीन राज्यसभा सांसद गए होते. लोकतंत्र में तो ये मर्यादाएं तो रहनी चाहिए.' समाजवादी पार्टी के पास 2 राज्यसभा सीटें जीतने के लिए पर्याप्त विधायक हैं, लेकिन तीसरी सीट के लिए अखिलेश को जुगाड़ करना होगा. समाजवादी पार्टी की तरफ से दावे भी किए जा रहे हैं कि तीसरी सीट पर भी कैंडिडेट उतारा जाएगा. खुद अखिलेश यादव कह रहे हैं कि आप लोग सरप्राइज के लिए तैयार रहें. बीजेपी के कई विधायकों के संपर्क में होने का दावा भी अखिलेश यादव कर रहे हैं. अखिलेश यादव ने कहा, 'आप कुछ सरप्राइज के लिए तैयार रहिए. मैंने कहा कि आप लोग खुद भी सरप्राइज के लिए तैयार रहें. संपर्क में तो बहुत हैं, लेकिन एडजस्ट कैसे करें. हम वादा करके वादाखिलाफी करना नहीं चाहते.' यूपी में राज्यसभा चुनाव के लिए 16 अक्टूबर को वोटिंग होगी और उसी दिन रात तक नतीजे भी आ जाएंगे. इधर अखिलेश यादव सरप्राइज देने का दावा कर रहे हैं। बीजेपी विधायकों के साथ संपर्क की बात कर रहे हैं. उधर बीजेपी अलग ही गेम खेल रही है. बीजेपी की नजर 10 में से 8 सीटें जीतने पर है और इसके लिए पार्टी ने तैयारी भी शुरू कर दी है.

हालांकि बीजेपी ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन कहा जा रहा है कि यूपी बीजेपी ने 8 राज्यसभा सीटों के लिए 24 नामों की लिस्ट केंद्रीय नेतृत्व को भेजी है. हर सीट के लिए 3 उम्मीदवारों का नाम केंद्रीय नेतृत्व को भेजा गया है. इनमें से ही 8 सीटों के लिए उम्मीदवारों का नाम फाइनल किया जा सकता है. यूपी बीजेपी की लिस्ट में स्मृति ईरानी और कुमार विश्वास का नाम भी है. साथ ही हरदीप सिंह पुरी और संजीव बालियान का नाम भी शामिल है. यानी बीजेपी 8 सीटों पर जीत के हिसाब से ही तैयारी कर रही है. बीजेपी का ये भी दावा है कि समाजवादी पार्टी के कई विधायक संपर्क में हैं. डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से तैयार है. वो अपनी तैयारी करें, हमारी अपनी तैयारी है. सरप्राइज तो हम देंगे. हमारे पास उनके 25 विधायक संपर्क में हैं.' बीजेपी कह रही है कि असली सरप्राइज तो वो अखिलेश को देगी. अखिलेश को 2024 के राज्यसभा चुनाव में जो हार मिली थी, वो उसे भूले भी नहीं होंगे. क्योंकि आप देखिए कि 2024 में यूपी में 10 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव हुए थे. 2024 में बीजेपी ने 8 सीटों पर जीत हासिल की थी. समाजवादी पार्टी 2 ही सीट जीतने में सफल हुई थी. 2024 में अखिलेश के कई विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी. इसी वजह से बीजेपी आठवीं सीट जीत पाई थी. लेकिन इस बार अखिलेश के अपने दावे हैं तो बीजेपी के भी अपने दावे हैं.

चाचा और उद्योगपति के नामांकन के बाद घिरे अखिलेश यादव? बीजेपी के सवालों के बीच मुस्लिम नेता के बयान से बढ़ी सियासी हलचल

(यंग भारत न्यूज)

भारतीय जनता पार्टी की ओर से समाजवादी पार्टी को लेकर किए गए एक राजनीतिक पोस्ट के बाद मुस्लिम राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर बहस तेज हो गई है। इसी बीच ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने मुस्लिम समुदाय से राजनीतिक रूप से एकजुट होने और विभिन्न राजनीतिक दलों से अपनी हिस्सेदारी मांगने की अपील की है।

बीजेपी की ओर से समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए यह आरोप लगाया गया था कि पार्टी के सामान्य कार्यकर्ताओं की भूमिका केवल 'दरी बिछाने' तक सीमित है। इस टिप्पणी के संदर्भ में मौलाना साजिद रशीदी ने मुस्लिम नेताओं और राजनीतिक दलों में मुस्लिम प्रतिनिधित्व को लेकर कई सवाल उठाए। उन्होंने अपने बयान में मुस्लिम समुदाय से कहा कि उसे अलग-अलग राजनीतिक दलों में बंटने के बजाय अपने राजनीतिक हितों और प्रतिनिधित्व को लेकर संगठित तरीके से बात करनी चाहिए। मौलाना रशीदी का यह बयान ऐसे समय आया है जब उत्तर प्रदेश की राजनीति में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर बहस चल रही है। हाल के दिनों में रशीदी ने अलग-अलग मौकों पर मुस्लिम मुख्यमंत्री के मुद्दे और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी बयान दिए हैं। मौलाना साजिद रशीदी ने अपने बयान में अल्लामा इकबाल की प्रसिद्ध पंक्ति का हवाला देते हुए मुस्लिम समुदाय से राजनीतिक स्थिति पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि समुदाय राजनीतिक रूप से विभाजित रहेगा तो उसकी सामूहिक राजनीतिक आवाज कमजोर हो सकती है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चर्चित नारे 'बंटोगे तो कटोगे' का भी संदर्भ दिया और कहा कि मुस्लिम समुदाय को इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि राजनीतिक रूप से बंटने का उसकी हिस्सेदारी पर क्या असर पड़ता है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ये मौलाना रशीदी के राजनीतिक और सामाजिक विचार हैं। उनका बयान किसी राजनीतिक दल की आधिकारिक नीति या चुनाव आयोग की स्थिति नहीं है। मौलाना रशीदी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के नेता अलग-अलग राजनीतिक दलों में बंटे हुए हैं। उनके अनुसार, कोई नेता एक पार्टी से जुड़ा है तो कोई दूसरी पार्टी से, जबकि समुदाय की सामूहिक राजनीतिक मांगों को लेकर एक साझा रणनीति दिखाई नहीं देती। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय को अपनी राजनीतिक हैसियत मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों से अपनी हिस्सेदारी मांगनी चाहिए। उनके बयान का मुख्य तर्क यह था कि केवल किसी राजनीतिक दल को समर्थन देना ही राजनीतिक भागीदारी नहीं है। उनके मुताबिक राजनीतिक दलों में संगठनात्मक पद, चुनावी टिकट, विधानमंडल में प्रतिनिधित्व और सरकार में हिस्सेदारी जैसे मुद्दों पर भी समुदाय के नेताओं को अपनी बात रखनी चाहिए। मौलाना रशीदी ने राजनीतिक दलों से जुड़े मुस्लिम नेताओं पर भी टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम नेता अपने व्यक्तिगत राजनीतिक हितों के लिए अलग-अलग दलों से जुड़े हुए हैं और इससे समुदाय का सामूहिक राजनीतिक प्रभाव कमजोर होता है। उन्होंने कहा कि पार्टी में किसी आम कार्यकर्ता की भूमिका और किसी बड़े मुस्लिम नेता की भूमिका के बीच अंतर हमेशा उतना नहीं होता जितना राजनीतिक रूप से दिखाई देता है। उनकी टिप्पणी ऐसे समय में आई जब बीजेपी की ओर से समाजवादी पार्टी पर भी यह आरोप लगाया गया था कि आम कार्यकर्ताओं को पर्याप्त राजनीतिक अवसर नहीं मिलते। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने इससे पहले भी सपा के सामान्य कार्यकर्ताओं की भूमिका को 'दरी बिछाने' तक सीमित रखने का आरोप लगाया था। यह बीजेपी का राजनीतिक आरोप है, जिसे समाजवादी पार्टी का आधिकारिक स्वीकार्य तथ्य नहीं माना जा सकता। मौलाना रशीदी ने अपने बयान में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लेते हुए भी कई आरोप लगाए। उन्होंने मुस्लिम नेताओं और धार्मिक हस्तियों के समाजवादी पार्टी के नेतृत्व के साथ संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि मुस्लिम नेताओं को राजनीतिक दलों के नेताओं के पीछे भागने के बजाय अपने समुदाय के राजनीतिक हितों पर ध्यान देना चाहिए।मौलाना रशीदी ने कुछ घटनाओं और मुस्लिम नेताओं के साथ कथित व्यवहार का भी जिक्र किया। हालांकि, उनके द्वारा बताए गए व्यक्तिगत घटनाक्रमों के सभी विवरणों की स्वतंत्र पुष्टि इस रिपोर्ट में नहीं की गई है, इसलिए उन्हें उनके बयान के रूप में ही देखा जाना चाहिए। यह भी उल्लेखनीय है कि रशीदी और समाजवादी पार्टी के बीच राजनीतिक मतभेद पहले भी सार्वजनिक रूप से सामने आ चुके हैं। वर्ष 2025 में भी उनके बयानों को लेकर सपा और बीजेपी के बीच राजनीतिक बयानबाजी हुई थी।मौलाना साजिद रशीदी पिछले कुछ समय से मुस्लिम राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा लगातार उठा रहे हैं। सितंबर 2026 में उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी समेत अन्य दलों से मुस्लिम मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा करने को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि राजनीतिक दलों को केवल मुस्लिम मतदाताओं के समर्थन की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के सवाल पर भी स्पष्ट रुख रखना चाहिए। उनके इस बयान में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों को लेकर सवाल उठाए गए थे। इससे पहले फरवरी 2025 में रशीदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान बीजेपी को वोट देने का दावा भी किया था। उस समय उन्होंने कहा था कि उनका उद्देश्य मुसलमानों के बीच बीजेपी को लेकर बने डर को कम करना था और उनका तर्क था कि किसी भी राजनीतिक दल को समर्थन देने के बाद उससे सवाल भी किए जा सकते हैं। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए उनका मौजूदा बयान केवल समाजवादी पार्टी को लेकर टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह उनके लंबे समय से जारी राजनीतिक प्रतिनिधित्व संबंधी बयानों की कड़ी के रूप में भी देखा जा सकता है। मौलाना रशीदी ने मुस्लिम नेताओं से कहा कि उन्हें निजी राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर समुदाय के व्यापक मुद्दों पर विचार करना चाहिए।उन्होंने राजनीतिक दलों से अपनी हिस्सेदारी मांगने की बात कही। उनके मुताबिक, समुदाय को एक साझा राजनीतिक कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए और उसके आधार पर विभिन्न दलों के सामने अपनी मांग रखनी चाहिए।उनके बयान में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को केवल चुनावी वोट तक सीमित न रखने की बात कही गई। उनका कहना है कि किसी समुदाय की राजनीतिक ताकत का आकलन उसके मतदाताओं की संख्या के साथ-साथ उसके निर्वाचित प्रतिनिधियों और निर्णय लेने वाली संस्थाओं में मौजूदगी से भी किया जाता है। हालांकि, राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर अलग-अलग दलों और नेताओं की रणनीतियां अलग हो सकती हैं। इसलिए किसी एक नेता की मांग को पूरे मुस्लिम समुदाय की सामूहिक राजनीतिक राय के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। मौलाना रशीदी ने अपने बयान में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड से जुड़े खालिद रशीद फरंगी महली का भी उल्लेख किया। उन्होंने मुस्लिम राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर उनके कथित विचारों पर असहमति जताई। रशीदी ने सवाल उठाया कि यदि कोई मुस्लिम नेता मुस्लिम मुख्यमंत्री या राजनीतिक हिस्सेदारी की मांग करता है तो उसे साम्प्रदायिक राजनीति क्यों माना जाए। यह बयान मुस्लिम राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर मुस्लिम समाज के भीतर मौजूद अलग-अलग विचारों की ओर भी संकेत करता है। एक तरफ कुछ नेता अधिक राजनीतिक हिस्सेदारी और सत्ता में प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व की मांग कर रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ कुछ नेता ऐसी मांगों के राजनीतिक प्रभाव और भाषा को लेकर अलग दृष्टिकोण रखते हैं। मौलाना रशीदी का यह बयान ऐसे समय आया है जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के तीसरे राज्यसभा उम्मीदवार को लेकर भी राजनीतिक चर्चा चल रही है।30 सितंबर 2026 तक समाजवादी पार्टी ने राज्यसभा की दो सीटों के लिए प्रोफेसर रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नथवानी को उम्मीदवार बनाया था। दोनों नामांकन दाखिल कर चुके हैं। तीसरी सीट के उम्मीदवार को लेकर अभी चर्चा जारी थी। इसी बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सांसद सलीम इकबाल शेरवानी का नाम भी संभावित उम्मीदवार के तौर पर चर्चा में रहा। शेरवानी ने खुद कहा था कि उन्होंने अखिलेश यादव से मुलाकात कर राज्यसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है और उम्मीदवार के नाम पर फैसला बाद में होने की बात कही गई है। इस वजह से मुस्लिम राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर मौलाना रशीदी के बयान को राज्यसभा उम्मीदवार को लेकर चल रही मौजूदा राजनीतिक चर्चा से जोड़कर भी देखा जा रहा है। हालांकि, किसी उम्मीदवार को लेकर अंतिम निर्णय पार्टी की आधिकारिक घोषणा से ही स्पष्ट होगा।

2 भाई अपनी सगी बहन के साथ सालभर से कर रहे थे..गंदा काम वीडियो भी बनाई हरदोई से आया' ये मामला जान हिल जाएंगे

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के हरदोई से बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है. यहां आरोप है कि दो सगे भाइयों ने अपनी ही छोटी बहन के साथ गंदा काम कर दिया. आरोप है कि दोनों भाई पिछले 1 साल से अपनी ही सगी छोटी बहन के साथ गंदा काम कर रहे हैं.ये मामला तब सामने आया, जब 1 हफ्ता पहले ही पीड़िता के भाइयों ने उसके साथ गंदा काम किया. इस दौरान पीड़िता का मंगेतर पहुंच गया. अपने भाइयों से परेशान हो चुकी पीड़िता ने सारी बात अपने मंगेतर को बता दी. इसके बाद मंगेतर पीड़िता को लेकर थाने गया और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी. कुछ ही समय पहले पीड़िता का निकाह तय हुआ था. अब उसका मंगेतर ही उसे इंसाफ दिलाने के लिए आगे आया है. ये शर्मनाक और सनसनीखेज मामला हरदोई जिले के अरवल थाना क्षेत्र के एक गांव से सामने आया है. बताया जा रहा है कि इस इलाके के एक गांव की रहने वाली पीड़िता की एक बहन और 5 भाई हैं. पीड़िता से उसके दो सगे बड़े भाई साल भर से उसके साथ गंदा काम कर रहे थे.आरोप है कि 18 सितंबर को भी उसके एक भाई ने उसके साथ गंदा काम किया. इस दौरान पीड़िता ने खुद ही भाई की करतूत की वीडियो बना ली. उसका दूसरा भाई भी उसके साथ कई बार गंदा काम कर चुका है. दोनों भाई उसे जान से मारने की धमकी भी दे चुके हैं. इस बीच युवती का निकाह तय हो गया. इस दौरान पीड़िता ने अपने मंगेतर को अपने भाइयों की काली करतूत बता दी. पीड़िता का कहना है कि उसके मंगेतर ने ही उसे हिम्मत दी और वह ही उसे पुलिस के पास लेकर गया. पुलिस के सामने युवती ने अपने दोनों भाइयों की करतूत बताई और केस दर्ज करवाया. पीड़िता ने सबूत के तौर पर भाइयों की करतूत के वीडियो भी पुलिस को दिए हैं.इस पूरे मामले को लेकर पुलिस भी चौंक गई. पुलिस ने फौरन केस दर्ज करके, दोनों आरोपियों को अरेस्ट किया. इस घटना ने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया है. इस वारदात से हर कोई हैरान है.इस पूरे मामले को लेकर सतेंद्र सिंह (सीओ हरपालपुर हरदोई) ने बताया, पीड़िता ने अपने ही परिवार के 2 लोगों के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाया है. केस दर्ज करके, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. कार्रवाई की जा रही है.

रामलीला मोहत्व के 178वें मंचन का आगाज होगा। 17 दिवसीय रामलीला का शुभारंभ 5 अक्टूबर से

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर में पांच अक्टूबर से रामलीला का भवन में नगर प्राचीन रामलीला मोहत्व के 178वें मंचन का आगाज होगा। 17 दिवसीय रामलीला का शुभारंभ श्रीगणेश पूजन से होगा। जबकि समापन 21 अक्टूबर को श्रीराम राज्याभिषेक से होगा। नगर की ऐतिहासिक प्राचीन रामलीला के 178वें मंचन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पांच अक्टूबर को 17 दिवसीय रामलीला मंचन की शुरूआत गणेश पूजन के साथ होगी। श्रीरामलीला समिति के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी ने बताया कि रामलीला मंचन की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पर्दे आदि लगाने का कार्य चल रहा है। समिति के मंत्री पवन चतुर्वेदी ने बताया कि इस बार 10 अक्टूबर को धनुष यज्ञ की लीला आकर्षण का केंद्र होगी। जिसमें परशुराम लक्ष्मण संवाद विशेष आकर्षण में होंगे। 11 अक्टूबर को दिन में राम कलेवा का आयोजन श्रीरामलीला भवन पर होगा। 13 अक्टूबर को श्रीराम केवट संवाद व श्रीराम भरत मिलाप की लीला का मंचन नगर के ऐतिहासिक मुरली मनोहर तालाब पर शाम तीन बजे से होगा। 18 अक्टूबर को लक्ष्मण शक्ति व कालनेमि की माया का मंचन होगा। 20 अक्टूबर को शाम पांच बजे से दशहरा मेला व रावण वध की लीला का मंचन श्रीबाराहीं देवी मेला ग्राउंड पर किया जाएगा। समापन 21 अक्टूबर को श्रीराम भरत मिलाप व राज्याभिषेक के साथ होगा। रामलीला के मंचन में राम की भूमिका में मनोज तिवारी, जानकीजी रामदूत तिवारी, लक्ष्मणजी सीपू पाराशर व कमलेश अटल, हनुमानजी रविंद्र शुक्ला, परशुराम कपिल तिवारी, दशानन प्रहलाद यादव के अलावा प्रयागगुरू, रमेश दुबे, रामभूषण उदैनियां, सुरेश पाराशर, भानू शर्मा, राजकुमार आचार्य, श्याम जादौन, सिद्धार्थ पोरवाल, प्रिंस उर्फ डुग्गू चतुर्वेदी स्त्री भूमिका में तितली रानी, रिंकू पायल, रामकुमार, रामदूत तिवारी रहेंगे।

डेढ़ साल से बेटे की राह देखता रहा दंपति, शव नहीं मिला तो पुतला बनाकर किया अंतिम संस्कार

(यंग भारत न्यूज)

एक हजार पन्नों की फाइल, हाथ में बेटे की तस्वीर और आंखों में डेढ़ साल पुरानी उम्मीद...। बलिया के मनियर थाना क्षेत्र के कोटवा गांव निवासी अखिलेश मिश्रा के लिए हर दिन इसी इंतजार में बीता कि शायद उनका बेटा रजत लौट आए।12 साल का रजत 13 मई 2025 को घर से लापता हुआ था। परिवार ने उसे तलाशने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन डेढ़ साल बाद भी बेटे का शव तक परिवार को नहीं मिल सका। आखिरकार पितृपक्ष में पिता ने बेटे का पुतला बनाकर उसका अंतिम संस्कार किया।

अखिलेश मिश्रा का कहना है कि बेटे के लापता होने के बाद उन्होंने गांव से लेकर रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की। जब कोई सुराग नहीं मिला तो मनियर थाने में शिकायत दी गई। परिवार के मुताबिक, पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। परिवार के मुताबिक, रजत के साथ अक्सर खेलने वाला गांव का ही यशराज तिवारी उसे 13 मई की शाम अपने साथ लेकर गया था। परिवार का कहना है कि रजत के देर शाम तक घर नहीं लौटने पर उसकी तलाश शुरू की गई। इसके दो दिन बाद भोजपुरवा गांव के समीप घाघरा नदी किनारे एक अज्ञात शव मिलने की सूचना परिवार को मिली। अखिलेश मिश्रा और उनके परिजन मौके पर पहुंचे। परिवार का दावा है कि शव के कपड़े और लॉकेट को देखकर उन्होंने उसे रजत के रूप में पहचाना। हालांकि, पुलिस ने शव को रजत का मानने से इनकार कर दिया। परिवार के मन में संदेह बना रहा। माता-पिता ने शव की पहचान के लिए डीएनए जांच की मांग की। परिवार का दावा है कि इसके लिए नमूने भेजे गए और करीब छह महीने बाद डीएनए रिपोर्ट आई। परिजनों के अनुसार, रिपोर्ट में मिले शव के नमूने का रजत के परिवार के नमूने से मिलान हुआ। अखिलेश मिश्रा का आरोप है कि इसके बावजूद उन्हें बेटे की मौत के मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं मिली। उनका कहना है कि वह थाने से लेकर पुलिस अधिकारियों और अदालत तक लगातार न्याय की गुहार लगाते रहे। डेढ़ साल का लंबा इंतजार परिवार के लिए बेहद पीड़ादायक रहा। मां सुनीता मिश्रा आज भी बेटे को याद कर भावुक हो जाती हैं। परिवार का कहना है कि जब वास्तविक शव उनके पास नहीं था और बेटे की मौत की पुष्टि होने का दावा किया जा रहा था, तो पितृपक्ष में उन्होंने रजत का पुतला तैयार कराया और उसका अंतिम संस्कार किया। पिता अखिलेश मिश्रा कहते हैं कि बेटे का अंतिम संस्कार अपने हाथों से करने की इच्छा थी, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें बेटे के पुतले का अंतिम संस्कार करने को मजबूर कर दिया। रजत की मां सुनीता मिश्रा का आरोप है कि घटना वाले दिन यशराज तिवारी उनके बेटे को अपने साथ लेकर गया था। परिवार के मुताबिक, पूछताछ के दौरान यशराज ने बताया था कि रजत उसके साथ नदी किनारे तक गया था और इसके बाद वह उसे वहीं छोड़कर वापस आ गया। परिवार का आरोप है कि इसी घटना के बाद रजत की मौत हुई। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

जनपद में खजूर, ड्रैगन फ्रूट और अंजीर जैसी नई फसलों को मिलेगा बढ़ावा - डीएम

-क्लस्टर आधारित बागवानी से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर, औद्यानिक योजनाओं के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को समिति की मंजूरी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन) जिलाधिकारी समीर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला औद्यानिक मिशन समिति, जनपद स्तरीय क्रियान्वयन समिति एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विभागीय योजनाओं के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों का अनुमोदन किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने और निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

जिला उद्यान अधिकारी ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं प्रस्तावित लक्ष्यों की जानकारी देते हुए बताया कि स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, खजूर, नींबू-मुसम्मी, अनार, पपीता, आंवला, कटहल सहित विभिन्न बागवानी फसलों के साथ शाकभाजी, प्याज, लहसुन, मसाला फसलों, मशरूम उत्पादन एवं मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिया जाएगा। किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों, स्प्रेयर, मचान, मल्चिंग एवं अन्य सुविधाओं से भी लाभान्वित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने स्थानीय जलवायु के अनुकूल एवं बाजार में मांग वाली फसलों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने खजूर, ड्रैगन फ्रूट, अंजीर जैसी अपरंपरागत बागवानी फसलों के साथ अदरक, हल्दी, शिमला मिर्च, बैंगन एवं टमाटर जैसी नकदी एवं मसाला फसलों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं को क्लस्टर के रूप में संचालित करने से अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने और उनकी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। बैठक में बुंदेलखण्ड एवं विन्ध्य क्षेत्र में औद्यानिक विकास योजनान्तर्गत प्राप्त 50 हेक्टेयर के लक्ष्य, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' कार्यक्रम के तहत 3400 हेक्टेयर के लक्ष्य तथा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के तहत 861 इकाइयों की स्थापना के लक्ष्यों पर भी चर्चा की गई। सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना में पात्र इकाइयों को अधिकतम 10 लाख रुपये तक की 35 प्रतिशत अनुदान सहायता का प्रावधान बताया गया। जिलाधिकारी ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति क्षेत्र के अधिक से अधिक किसानों को योजनाओं से जोड़ने, महिला कृषकों एवं स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी बढ़ाने तथा किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीज एवं रोपण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए, विभिन्न औद्यानिक उत्पादों के प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने तथा इससे रोजगार के नए अवसर सृजित करने की कार्ययोजना बनाने को कहा। औषधीय फसलों के लिए संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधियों एवं किसानों के बीच संवाद कराने के भी निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने हाईटेक नर्सरी का शीघ्र संचालन कर किसानों को गुणवत्तापूर्ण शाकभाजी पौध की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जीएमजीआईसी, डीआरपी, उद्यान विभाग एवं किसानों की बैठक आयोजित कर कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी ए.के. सिंह, जिला कृषि अधिकारी जी.डी. सिंह सहित संबंधित अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रतिनिधि एवं प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, 11 नमूने लिए

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी के निर्देश पर आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तापरक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने तथा मिलावटखोरी पर प्रभावी रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया। टीम ने उरई, कोंच, जालौन, कुठौंद और कालपी में मिठाई, पनीर, खोया, दूध से बने खाद्य पदार्थ व चटनी समेत कुल 11 नमूने संग्रहित किए।

उरई में कोंच बस स्टैंड स्थित गहोई स्वीट्स एंड बेकर्स से बेसन के लड्डू तथा हरदोई गूजर स्थित मां कामख्या स्वीट्स एंड बेकर्स से पनीर का नमूना लिया गया। कोंच में ढपली स्वीट्स से पेड़ा, संतोष स्वीट्स हाउस से पनीर, पुरानी हवेली की बिरयानी से चटनी और नरेन्द्र सिंह यादव उर्फ नत्थू डेयरी से पनीर का नमूना संग्रहित किया गया। जालौन में तहसील रोड स्थित सूजल मिष्ठान भंडार एवं दूध विक्रय केंद्र से दूध बर्फी का नमूना लिया गया। कुठौंद में राजेश कुमार तिवारी के प्रतिष्ठान से पनीर और नव्या स्वीट्स एंड बेकर्स से खोया का नमूना लिया गया। वहीं कालपी के टरननगंज में मुहम्मद सफीक अंसारी के प्रतिष्ठान से बूंदी के लड्डू तथा प्रदीप सोनी के प्रतिष्ठान से मिल्क केक का नमूना संग्रहित किया गया। सभी नमूनों को जांच के लिए संबंधित प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। अभियान में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेश प्रसाद, कन्हैया लाल यादव, सुनील कुमार, अनिल कुमार कटियार एवं झनकार सिंह शामिल रहे।

दाह संस्कार से लौट रहे व्यक्ति पर जानलेवा हमला क्रासर- उपचार के दौरान मौत

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। रामपुरा थाना क्षेत्र के छोटी बेड़ कदमपुरा गांव निवासी रमेश उर्फ पप्पू पर कथित रूप से रास्ते में रोककर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में उन्हें उपचार के लिए ग्वालियर रेफर किया गया था, जहां करीब आठ दिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, रमेश उर्फ पप्पू कदमपुरा गांव में एक व्यक्ति के दाह संस्कार में शामिल होने गए थे। परिजनों का आरोप है कि वापस लौटते समय रास्ते में चार लोगों ने उन्हें रोक लिया और उनके साथ मारपीट की। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के समय उनके भाई और भतीजे ने कथित तौर पर मारपीट होते देखी, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग गए।घायल रमेश को परिजन उपचार के लिए रामपुरा अस्पताल लेकर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी। हालत गंभीर होने पर उन्हें उच्च चिकित्सालय भेजा गया है जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई।

उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में रोडवेज, स्लीपर एवं एसी बसों की विशेष चेकिंग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्देशों एवं अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात के निर्गत निर्देशों के क्रम में जनपद में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में व पुलिस उपाधीक्षक यातायात के पर्यवेक्षण में 'Meet & Greet' विशेष अभियान के अंतर्गत रोडवेज बस, स्लीपर एवं एसी बसों की विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यातायात प्रभारी वीर बहादुर सिंह व एसओ आटा अभिलाष मिश्रा मय टीम के साथ टोल प्लाजा उसाका आटा पर रोडवेज़ एवं स्लीपर बसों की सघन चेकिंग की गयी। चेकिंग के दौरान बसों में अग्निशामक यंत्र, आपातकालीन निकास (श्वद्वद्गह्म्द्दद्गठ्ठष्4 श्व×द्बह्ल), आपातकालीन सुरक्षा उपकरण एवं अन्य निर्धारित सुरक्षा मानकों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता की जांच की गयी। साथ ही बसों के रात्रिकालीन संचालन के दौरान सुरक्षा मानकों के अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अभियान के दौरान बसों में यात्रा कर रहे यात्रियों से बातचीत कर उनकी सुरक्षा एवं सुविधाओं का जायजा लिया गया। विशेष रूप से महिलाओं, बालिकाओं एवं बच्चियों से महिला पुलिस के द्वारा संवाद कर यात्रा के दौरान उनकी सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई तथा किसी भी प्रकार की समस्या अथवा असुविधा होने पर तत्काल पुलिस की सहायता लेने हेतु जागरूक किया गया।यातायात पुलिस जालौन द्वारा बस संचालकों एवं चालकों को निर्धारित यातायात एवं सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।यातायात पुलिस जनपद जालौन द्वारा यात्री सुरक्षा, विशेषकर महिला, वृद्ध व बच्चों की सुरक्षा तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

पॉक्सो एक्ट और बाल सुरक्षा को लेकर छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश एवं जनपद न्यायाधीश विरजेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में अहिंसा दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुरुवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज उरई और सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मनाली चन्द्रा ने छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट-2012 के प्रावधानों, बच्चों के कानूनी अधिकारों और बाल सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए पॉक्सो कानून बनाया गया है। विद्यार्थियों को विभिन्न अपराधों में निर्धारित कानूनी प्रावधानों और सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी कानूनी सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा टोल फ्री नंबर 15100 पर भी विधिक सहायता प्राप्त की जा सकती है। सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में छात्र-छात्राओं को 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 112 आपातकालीन नंबर की जानकारी दी गई। साथ ही गुड टच-बैड टच, व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा सोशल मीडिया पर निजी जानकारी व तस्वीरें सुरक्षित रखने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम में पॉक्सो एक्ट पर आधारित नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। पीएलवी महेश सिंह परिहार ने लोक अदालत, सुलह-समझौता केंद्र और विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या कुसुमलता शाक्यवार, सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल की प्रधानाचार्या चन्द्राणी मित्रा, प्रबंध समिति सलाहकार प्रमोद कुमार दुबे, डीईओ दीपक नारायण, पीएलवी मनीषा चतुर्वेदी, महेन्द्र कुमार मिश्रा, योगेन्द्र सिंह तखेले, धर्मेन्द्र कुमार, रामदेव चतुर्वेदी सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जालौन में घर-घर पहुंचेगा 'दस्तक' का संदेश, संचारी रोगों के खिलाफ छिड़ा जनजागरूकता अभियान

जनप्रतिनिधियों समेत डीएम ने रैली को दिखाई हरी झंडी, स्वच्छता और समय पर उपचार के लिए किया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तृतीय चरण का शुभारम्भ गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर से किया गया। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष/प्रशासक डॉ. घनश्याम अनुरागी, एवं जिलाधिकारी समीर ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम की शुरुआत जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों को संचारी रोग नियंत्रण की शपथ दिलाकर की। विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जागरूकता, स्वच्छता और समय पर उपचार के माध्यम से इन बीमारियों से काफी हद तक बचाव किया जा सकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि अपने घरों और आसपास स्वच्छता बनाए रखें, कहीं भी पानी जमा न होने दें तथा बुखार अथवा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही न बरतते हुए तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पर जांच और उपचार कराएं। उन्होंने कहा कि अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में आशा, एएनएम और स्वास्थ्य कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उनके घर-घर पहुंचने पर आवश्यक सहयोग प्रदान करें। जिला पंचायत अध्यक्ष/प्रशासक डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अपने आसपास साफ-सफाई रखना और जलभराव रोकना बेहद जरूरी है। उन्होंने आमजन से अपील की कि संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार से बचाव के लिए चलाए जा रहे जनजागरूकता एवं दस्तक अभियान में स्थानीय एएनएम तथा आशा कार्यकत्रियों का सहयोग करें और उनके द्वारा दी जा रही जानकारी को परिवार एवं आसपास के लोगों तक पहुंचाएं। जिलाधिकारी समीर ने कहा कि अभियान की सफलता जनसहभागिता पर निर्भर करती है। उन्होंने आमजन से अपील की कि घरों के आसपास साफ-सफाई रखें, गंदा पानी जमा न होने दें और मच्छरों के पनपने के संभावित स्थानों को समाप्त करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को बुखार अथवा बीमारी के लक्षण दिखाई दें तो उसे तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाकर चिकित्सकीय जांच एवं उपचार कराया जाए। समय पर उपचार से बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच.एन. प्रसाद ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 से 31 अक्टूबर 2026 तक तथा दस्तक अभियान 12 से 31 अक्टूबर 2026 तक जनपद में संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों को संचारी रोगों, दिमागी बुखार सहित विभिन्न बीमारियों से बचाव, लक्षण एवं उपचार के संबंध में जानकारी देंगे। इसके साथ ही संबंधित विभागों द्वारा अपने-अपने दायित्वों के अनुसार गतिविधियां संचालित कर अभियान को प्रभावी बनाया जाएगा। अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छता अपनाने, जलभराव रोकने, मच्छरों से बचाव तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए जागरूक किया जाएगा। जागरूकता रैली के माध्यम से भी लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, डॉ. जे.जे. राम मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. एस.के. पाल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका जिला महिला चिकित्सालय डॉ. वीरेन्द्र सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (वेक्टरवॉर्न) डॉ. ए.पी. वर्मा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविन्द भूषण, जिला कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. उमेश कुमार उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चन्द्रशेखर जिला मलेरिया अधिकारी, डॉ. नरेश कुमार वर्मा चेयरमैन भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, ममता स्वर्णकार कोषाध्यक्ष, लक्ष्मणदास बवान, अलीम सर सहित रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूरी गंभीरता के साथ डीएम ने रात में भ्रमण कर लिया सफाई का जायजा

सफाई मित्रों से किया संवाद, और पूरी तरह जिला मुख्यालय को साफ सुथरा रखने के दिये निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। विशेष सफाई अभियान को लेकर जिलाधिकारी समीर ने देर रात शहर में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर सफाई कार्यों की स्थिति देखी और मौके पर तैनात सफाई मित्रों से संवाद कर उनकी कार्यप्रणाली एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सफाई मित्रों के कार्य की सराहना करते हुए अभियान को पूरी गंभीरता और निरंतरता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद के सभी नगर निकायों एवं नगर पंचायतों में विशेष सफाई अभियान रातभर लगातार संचालित किया गया। बाजारों, मुख्य मार्गों, चौराहों, धार्मिक स्थलों, नालियों, सार्वजनिक स्थलों तथा भीतरी एवं आवासीय क्षेत्रों में सफाई कर कचरे का एकत्रीकरण एवं नियमानुसार निस्तारण कराया गया। सफाई के दौरान नगर निकायों के उपलब्ध संसाधनों और कार्मिकों को पूरी क्षमता से लगाया गया, ताकि शहरों और कस्बों में स्वच्छ एवं साफ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। जिलाधिकारी समीर ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास गंदगी न होने दें, कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें और सफाई व्यवस्था बनाए रखने में नगर निकायों का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन जनसहयोग से ही स्वच्छ और सुंदर शहर-कस्बों का संकल्प पूरी तरह साकार हो सकता है।

मेडिकल कॉलेज में एम्बुलेंस की जांच, प्रदूषण प्रमाणपत्र न होने पर चालान; दो वाहन निरुद्ध

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन) जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में गुरुवार, 01 अक्टूबर 2026 को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश कुमार ने प्रवर्तन दल के साथ राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई परिसर में एम्बुलेंस वाहनों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया।

अभियान के दौरान एक एम्बुलेंस का प्रदूषण प्रमाणपत्र वैध नहीं पाए जाने पर चालान किया गया। वहीं दो एम्बुलेंस चालकों द्वारा वाहन का पंजीयन प्रमाणपत्र प्रस्तुत न किए जाने पर दोनों वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए उन्हें निरुद्ध कर दिया गया। एआरटीओ प्रवर्तन राजेश कुमार ने बताया कि एम्बुलेंस सहित अन्य वाहनों की जांच का अभियान आगे भी जारी रहेगा। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बुजुर्गों के बीच अपनों की तरह पहुंचे डीएम समीर, माला पहनाकर किया सम्मान; आत्मीय संवाद से खिले चेहरे

वृद्धजनों से जाना हालचाल, समस्याएं पूछकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

-मिष्ठान और अंगवस्त्र भेंट कर किया सम्मान, कहा- समाज की अमूल्य धरोहर हैं बुजुर्ग

-वृद्धाश्रम में लगा स्वास्थ्य शिविर, चिकित्सकों ने किया स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श

(यंग भारत न्यूज)

उरई, 1 अक्टूबर। सेवा संकल्प अभियान के तहत अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर गुरुवार को वृद्धाश्रम में भावुक और आत्मीय माहौल देखने को मिला। जिलाधिकारी समीर स्वयं वृद्धाश्रम पहुंचे और बुजुर्गों के बीच बैठकर उनसे बातचीत की। डीएम ने वृद्धजनों का हालचाल जाना और उनकी समस्याओं, जरूरतों तथा आश्रम में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। बुजुर्गों ने भी जिलाधिकारी से खुलकर संवाद किया और उन्हें आशीर्वाद दिया।

जिलाधिकारी ने वृद्धजनों को माला पहनाकर, मिष्ठान एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके जीवन का अनुभव और मार्गदर्शन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वृद्धजनों का सम्मान केवल एक दिवस तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी और संस्कार का हिस्सा होना चाहिए।

बुजुर्गों से खुद पूछा- कोई परेशानी तो नहीं

डीएम ने वृद्धाश्रम में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने बुजुर्गों से स्वयं पूछा कि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा तो नहीं है। वृद्धजनों की जरूरतों और आश्रम की व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उनकी दैनिक जरूरतों के साथ स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर भी लगातार ध्यान दिया जाए।

स्वास्थ्य शिविर में बुजुर्गों का हुआ परीक्षण

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वृद्धाश्रम परिसर में स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम और चिकित्सकों ने बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। विभिन्न स्वास्थ्य जांच के साथ चिकित्सकों ने वृद्धजनों को आवश्यक परामर्श भी दिया। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण करते हुए बुजुर्गों को नियमित एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। डीएम के आत्मीय व्यवहार से वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी और अपनत्व की झलक दिखाई दी। सम्मान, संवाद और स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा आयोजन वृद्धजनों के प्रति संवेदना, सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश देता नजर आया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, समाज कल्याण अधिकारी संजय श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नशे को कहें 'ना', स्वस्थ जीवन को कहें 'हां': मेडिकल कॉलेज में गूंजा नशामुक्त समाज का संदेश

(यंग भारत न्यूज)

- नशे के दुष्प्रभावों को लेकर लोगों को किया गया जागरूक
- प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने स्वस्थ जीवन अपनाने का दिया संदेश
- बोले—नशा छोड़ें, जीवन संवारें, परिवार और समाज को बनाएं सुरक्षित

उरई, 1 अक्टूबर। राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान नशे से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के साथ ही इसके पारिवारिक और सामाजिक प्रभावों की जानकारी दी गई। लोगों से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया।

राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करता, बल्कि इसका असर पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। नशे की लत व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ उसके सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन को भी प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि नशे से बचाव के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। उन्होंने युवाओं और आमजन से अपील करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाएं। परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें, ताकि समाज में नशे के खिलाफ सामूहिक वातावरण तैयार हो सके। कार्यक्रम में लोगों को समझाया गया कि नशे की शुरुआत अक्सर छोटी आदत के रूप में होती है, लेकिन समय के साथ यह गंभीर समस्या का रूप ले सकती है। इसलिए किसी भी प्रकार के नशे से दूरी बनाए रखना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों एवं स्वास्थ्य सेवाओं की मदद लेना जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। सभी से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर 'नशे को कहें ना, स्वस्थ जीवन को कहें हां' और 'नशा छोड़ें, जीवन संवारें' का संदेश प्रमुखता से दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए जनजागरूकता को बढ़ावा देना रहा।

मेडिकल कॉलेज उरई में एमबीबीएस की 50 सीटें बढ़ाने का रास्ता साफ, ईसी जारी

(यंग भारत न्यूज)

- 100 से बढ़कर 150 हो जाएंगी एमबीबीएस की सीटें, 605 बेड का अस्पताल उपलब्ध
- डॉक्टरों की जरूरत और सीट बढ़ाने की व्यवहार्यता की शासन ने की पुष्टि
- इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी और क्लिनिकल मटीरियल की उपलब्धता का किया गया सत्यापन
- एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट जारी होने की तारीख से अधिकतम तीन साल तक रहेगा वैध

उरई, 1 अक्टूबर। राजकीय मेडिकल कॉलेज जालौन, उरई में एमबीबीएस की सीटों में 50 की बढ़ोतरी का रास्ता साफ हो गया है। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के नियमों के तहत पुराने मेडिकल संस्थान में एमबीबीएस सीटें बढ़ाने के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज जालौन को एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट जारी किया गया है। इसके तहत कॉलेज में एमबीबीएस सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 किए जाने का प्रस्ताव है।

दस्तावेज में कॉलेज का पता कालपी रोड, उरई, उत्तर प्रदेश-285001 दर्ज है। सीटों में प्रस्तावित बढ़ोतरी 50 है। वर्तमान में कॉलेज से संबद्ध अस्पताल में कुल 605 बेड उपलब्ध बताए गए हैं। शासन की ओर से जारी प्रमाणपत्र में कहा गया है कि संबंधित राज्य में डॉक्टरों की मौजूदा जरूरत को देखते हुए सीटों में वृद्धि की आवश्यकता और इसकी व्यवहार्यता की पुष्टि की गई है। प्रमाणपत्र के अनुसार सरकार ने एनएमसी के संबंधित रेगुलेशन, न्यूनतम मानक आवश्यकताओं (एमएसआर), दिशा-निर्देशों, आदेशों, नोटिस और समय-समय पर जारी सर्कुलर के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाओं की भी जांच की है। इसमें मेडिकल कॉलेज में जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी और क्लिनिकल मटीरियल की उपलब्धता एवं व्यवहार्यता का सत्यापन शामिल है। दस्तावेज में यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि एनएमसी किसी पाठ्यक्रम में नए प्रवेश पर रोक लगाता है तो राज्य सरकार एनएमसी के निर्देश के अनुसार कॉलेज में पहले से प्रवेश ले चुके विद्यार्थियों की जिम्मेदारी उठाएगी। एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट जारी होने की तारीख से अधिकतम तीन वर्ष तक वैध रहेगा।

राज्य में 88 त्र मेडिकल कॉलेज

एसेंशियलिटी को सही ठहराने के लिए जारी जानकारी के अनुसार संबंधित राज्य में पहले से 88 % मेडिकल कॉलेज/संस्थान और 66 पीजी स्टैंडअलोन मेडिकल संस्थान हैं। मेडिकल कॉलेजों में त्र प्रवेश की संख्या 12,800 बताई गई है। संबंधित स्पेशियलिटी में पीजी प्रवेश की संख्या दस्तावेज में एनए दर्ज है।

24.12 करोड़ आबादी, 1.30 लाख डॉक्टर

दस्तावेज के मुताबिक राज्य की कुल आबादी 24.12 करोड़ है। स्टेट मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत एलोपैथिक डॉक्टरों की संख्या 1,30,412 बताई गई है। इसमें डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात 1:2363 दर्ज किया गया है। सीटों में प्रस्तावित वृद्धि को राज्य में चिकित्सकों की आवश्यकता से जोड़ते हुए प्रमाणपत्र में इसकी जरूरत और व्यवहार्यता की पुष्टि की गई है। यह एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट चिकित्सा शिक्षा विभाग के दस्तावेज संख्या 71-1001(099)/3/2026-चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1 के तहत जारी किया गया है।

अचानक विद्यालय पहुंचे एसडीएम विनय मौर्य, कक्षा में छात्रों से पूछे सवाल; भोजन से सुरक्षा तक परखी व्यवस्था

- जय प्रकाश नारायण सर्वोदय आश्रम पद्धति विद्यालय बबीना में एसडीएम का औचक निरीक्षण
- छात्र-छात्राओं से संवाद कर परखा पढ़ाई का स्तर, शिक्षण व्यवस्था सुधारने के निर्देश
- छात्रावास में भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता जांची, मीनू के अनुसार भोजन देने को कहा
- सुरक्षा, पेयजल और साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष निगरानी के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

कालपी, 1 अक्टूबर। उपजिलाधिकारी कालपी विनय कुमार मौर्य ने गुरुवार को जय प्रकाश नारायण सर्वोदय आश्रम पद्धति विद्यालय, बबीना का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम के अचानक विद्यालय पहुंचने से प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था के साथ छात्रावास, भोजन, सुरक्षा, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों और विद्यालय प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एसडीएम ने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई, कक्षा में होने वाली शिक्षण गतिविधियों और शैक्षणिक स्तर से जुड़े सवाल पूछे। छात्रों से मिले जवाबों के आधार पर उनके अध्ययन स्तर को परखा गया। उन्होंने शिक्षण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा विद्यार्थियों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने छात्रावास की भोजन व्यवस्था भी परखी। उन्होंने विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और निर्धारित मीनू की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि छात्र-छात्राओं को निर्धारित मीनू के अनुसार ही पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। भोजन तैयार करने और परोसने के दौरान स्वच्छता मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा गया। विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर भी एसडीएम ने गंभीरता दिखाई। उन्होंने विद्यालय एवं छात्रावास में उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक इंतजामों का निरीक्षण किया। विद्यालय प्रशासन को निर्देशित किया गया कि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने और उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा विद्यालय परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, छात्रावास और अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति भी देखी गई। एसडीएम विनय कुमार मौर्य ने कहा कि विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर वातावरण मिलना चाहिए। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को विद्यार्थियों की सुविधाओं से जुड़े मामलों में तत्परता बरतने और व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। औचक निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने विद्यालय की व्यवस्थाओं को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को शिक्षा, भोजन, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

एएसपी ईशान सोनी ने छात्रों को पढ़ाया साइबर सुरक्षा का पाठ, डिजिटल अरेस्ट से बचने के बताए तरीके

(यंग भारत न्यूज)

- सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचने की दी सलाह
- फर्जी लिंक, ओटीपी और अनजान फाइल से दूर रहने को किया जागरूक
- साइबर बुलिंग और साइबर ग्रूमिंग के प्रति विद्यार्थियों को किया सचेत
- साइबर ठगी होने पर 1930 और cybercrime.gov.in पर शिकायत की अपील

उरई, 1 अक्टूबर। भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को बृज कुँवर एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल, झांसी रोड उरई में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक जालौन डॉ. ईशान सोनी एवं साइबर सेल टीम ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव और इंटरनेट के सुरक्षित इस्तेमाल की जानकारी दी।

अपर एसपी डॉ. ईशान सोनी ने विद्यार्थियों को वेब ब्राउजिंग सेफ्टी, डिजिटल अरेस्ट स्कैम, साइबर बुलिंग, साइबर ग्रूमिंग तथा महिला संबंधी अपराधों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी सोशल मीडिया, गेमिंग एप्लीकेशन, फर्जी लिंक और विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसे में इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय सतर्कता बेहद जरूरी है। विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक, मैसेज, ओटीपी अथवा फाइल को बिना सत्यापन नहीं खोलना चाहिए। ऐसा करने से मोबाइल फोन और निजी डाटा के साथ धोखाधड़ी का खतरा हो सकता है। एप्लीकेशन को हमेशा विश्वसनीय एवं आधिकारिक प्लेटफॉर्म से ही डाउनलोड करने की सलाह दी गई।

सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा न करें

कार्यक्रम में सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल को लेकर भी विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। व्यक्तिगत फोटो, मोबाइल नंबर, पता, बैंक संबंधी जानकारी और अन्य निजी सूचनाएं सार्वजनिक रूप से साझा न करने की सलाह दी गई। साइबर बुलिंग या संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि सामने आने पर अभिभावकों और पुलिस को तत्काल जानकारी देने को कहा गया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध की स्थिति में साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और cybercrime.gov.in के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी। साथ ही इंटरनेट का सकारात्मक और सुरक्षित उपयोग करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधक अजय इटोरिया, प्रधानाचार्य सीमा श्रीखंड, साइबर सेल प्रभारी चंद्र देव यादव, उपनिरीक्षक अजीत शर्मा, निरीक्षक जगवीर सिंह एवं कांस्टेबल प्रेमवीर सिंह मौजूद रहे।

घर-घर पहुंचा पानी, अब गांवों की सड़कें होंगी चकाचक; जालौन में विशेष अभियान

मुख्यमंत्री और जल शक्ति मंत्री के निर्देश पर शुरू हुआ वृहद रोड रेस्टोरेशन अभियान

(यंग भारत न्यूज)

जालौन, 1 अक्टूबर। मुख्यमंत्री एवं जल शक्ति मंत्री के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी जालौन समीर के निर्देशन में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के दौरान खोदी गई ग्रामीण सड़कों के पुनर्स्थापना के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। 'पानी पहुंचा, अब सड़कें भी संवरेंगी' अभियान के तहत जिले में एक से 10 नवंबर तक सड़कों की मरम्मत और दुरुस्तीकरण का कार्य युद्धस्तर पर कराया जाएगा।

अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) आंचल गुप्ता ने गुरुवार को विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुंचकर सड़क पुनर्स्थापना कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उनके साथ सहायक अभियंता अखिलेश कुमार, अवर अभियंता, पीएमसी आरवी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट लिमिटेड की सुपरविजन टीम और कार्यदायी संस्था बीजीसीसी के प्रतिनिधि मौजूद रहे। स्थलीय निरीक्षण के दौरान आंचल गुप्ता ने ग्रामीणों को बताया कि जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए कई स्थानों पर सड़कों की खुदाई करनी पड़ी थी। पाइपलाइन का कार्य पूरा होने के बाद अधिकांश सड़कों का पुनर्स्थापना कार्य कराया जा चुका है। शेष सड़कों को अभियान के दौरान प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त कराया जाएगा। अभियान के पहले दिन जिले के नौ गांवों गुढ़ा खुर्द, जमरोही कला, करउना, सिमरिया, छानी अहीर, इकौना, मिझौना, तगारेपुर और निबरहना में एक साथ सड़क पुनर्स्थापना का कार्य शुरू कराया गया। अधिशासी अभियंता ने कहा कि यदि किसी गांव में पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क अब तक दुरुस्त नहीं हुई है तो ग्रामीण जल सारथी ऐप के माध्यम से सड़क की फोटो और वीडियो भेजकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत का तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों के माध्यम से सड़क दुरुस्त कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्राप्त शिकायतों की निगरानी उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) मुख्यालय स्तर से की जा रही है। जल निगम (ग्रामीण) के अनुसार जनपद के 359 गांवों में पेयजलापूर्ति शुरू हो चुकी है। शेष गांवों में चरणबद्ध तरीके से पेयजलापूर्ति शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है। घर-घर पानी पहुंचाने के साथ पाइपलाइन बिछाने के दौरान प्रभावित सड़कों के पुनर्स्थापना का काम भी अभियान के तहत पूरा कराया जा रहा है।

यादव सेवा समिति का चुनाव कार्यक्रम घोषित

नामांकन 3 अक्टूबर को होगा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच यादव सेवा समिति कोंच इकाई की नवीन कार्यकारिणी गठन के लिए जारी निर्वाचन प्रक्रिया के तहत 3 अक्टूबर को अध्यक्ष और मंत्री समेत अन्य प्रमुख पदों पर नामांकन दाखिल किए जाएंगे। समिति के निवर्तमान अध्यक्ष देवेंद्र यादव एवं मंत्री जीतू यादव ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि समिति की नवीन कार्यकारिणी गठन के लिए जारी निर्वाचन प्रक्रिया के तहत चुनाव अधिकारियों की देखरेख में अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पदों के लिए आगामी 3 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे। अध्यक्ष पद के लिए 11 हजार, मंत्री पद के लिए 5100, कोषाध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए 3100 - 3100 सौ रुपए चुनाव जमानत राशि निर्धारित की गयी है।वही सौ-सौ रुपए नामांकन पर्चा शुल्क निर्धारित किया गया है। नामांकन पर्चा वापस लेने पर जमानत शुल्क वापस नहीं होगी। उन्होंने बताया कि 5 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे और यदि आवश्यक हुआ तो 9 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक मतदान प्रक्रिया पूरी की जाएगी, तदोपरांत मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। उन्होंने समिति के सभी साधारण सदस्यों से समिति की जारी निर्वाचन प्रक्रिया में सहभागिता की अपील की है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर नगर में निकाली गयी जागरूकता रैली

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर से गुरुवार को संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने फीता काटकर हरी झंडी दिखाते हुए रवाना किया। इस दौरान सीएचसी प्रभारी डॉ. अनिल शाक्य सहित अस्पताल का स्टाफ मौजूद रहा।रैली के दौरान स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और एनसीसी के छात्र-छात्राओं ने लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया। उन्होंने साफ-सफाई रखने, घरों के आसपास पानी जमा न होने देने तथा मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने का संदेश दिया। रैली के माध्यम से लोगों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय से स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर उपचार कराने की अपील की गई।सीएचसी प्रभारी डॉ. अनिल शाक्य ने बताया कि 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही 12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान आयोजित किया जाएगा।

जिला मुख्यालय उरई के बदनाम अनुभव चतुर्वेदी के भूमाफिया गिरोह के मास्टरमाइंड महेंद्र सिंघानिया के विरुद्ध प्रयागराज में दर्ज हुई एक और एफआईआर

अनुभव के गिरोह में एक और एफआईआर से मच गई खलबली

-महेंद्र कोरी उर्फ सिंघानिया वर्तमान में भूमि हड़पने के अपराध में उरई जेल में है

-हाई कोर्ट के अधिवक्ता विकास ने फर्जीवाड़ा करने के आरोप में दर्ज कराई एफआईआर

(यंग भारत न्यूज)

उरई । नकल तहरीर हिन्दी वादी पुलिस कमिश्नरेट, प्रयागराज। विषय- मेरे नाम व हस्ताक्षर की कूटरचना/फर्जी हस्ताक्षर कर कूटरचित No Objection/with consern तैयार करने तथा उसके आधार पर माननीय न्यायालय में फर्जी वकालतनामा दाखिल करने के संबन्ध में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही किये जाने हेतु प्रार्थना-पत्र। महोदय, सविनय निवेदन है कि प्रार्थी विकास श्रीवास्तव पुत्र स्व0 सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव निवासी नया पटेल नगर कोंच थाना कोंच, जिला - जालौन हाल निवासी नैनी थाना नैनी जिला प्रयागराज अधिवक्ता है और माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद में विधिवत अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस करता है। 1. यह कि प्रार्थी आपराधिक रिट (ए-227) संख्या 14639/2025 महेन्द्र कुमार वर्मा बनाम स्टेट आफ यूपी व 7 अन्य में पूर्व से अधिवक्ता के रूप में पैरवी कर रहा था और उक्त वाद में प्रार्थी द्वारा विधिवत वकालत नामा दाखिल किया गया था। 2. यह कि दिनांक 23.08.2026 को प्रार्थी को जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त वाद में एक नवीन वकालतनामा दाखिल किया गया है, जिसके साथ प्रार्थी के नाम से कथित रूप से No Objection/with consern अंकित है 13. यह कि उक्त कथित No Objection/with conserm पर किया गया हस्ताक्षर प्रार्थी का हस्ताक्षर नहीं है। प्रार्थी ने न तो उक्त No Objection/with consern पर हस्ताक्षर किए है और न ही किसी व्यक्ति को अपने हस्ताक्षर करने अथवा अपने नाम से No Objection/with conserm जारी करने की कोई अनुमति/अधिकार दिया है। 4. यह कि प्रार्थी ने कभी भी उक्त वाद से अपना वकालतनामा वापस लेने अथवा किसी अन्य अधिवक्ता के पक्ष में No Objection/with consern देने की सहमति नहीं दी थी। 5. यह कि प्रथम दृष्टतया ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी/आरोपी महेन्द्र कुमार वर्मा उर्फ महेन्द सिंघानिया पुत्र गयाप्रसाद निवासी मु. गांधीनगर उरई, थाना उरई, जिला जालौन हाल निवासी मु. बघौरा उरई थाना कोतवाली उरई, जिला-जालौन ने प्रार्थी के वास्तविक हस्ताक्षर की नकल/कूटरचना करके एक फर्जी एवं कूटरचित No Objection/with consern तैयार किया और उसे वास्तविक बताकर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। 6. यह कि कृत्य न केवल प्रार्थी के पेशेवर अधिकार एवं प्रतिष्ठा को प्रभावित करने वाला है, बल्कि न्यायालय की कार्यवाही को भी धोखे से प्रभावित करने का गंभीर प्रयास है। कूटरचित दस्तावेज को न्यायालय के समक्ष वास्तविक दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत करने से न्यायिक प्रक्रिया की शुचिता प्रभावित होती है। 7. यह कि प्रार्थी के पास अपने वास्तविक एवं प्रामाणिक हस्ताक्षरो वाले विभिन्न दस्तावेज उपलब्ध है, जिनसे कथित No Objection/with consern पर किए गए हस्ताक्षर का किया जा सकता है। अत: कथित No Objection/Vakalatnama को सुरक्षित कराकर उसका Forensic/Handwriting Expert से परीक्षण कराया जाना आवश्यक है। 8. यह कि यदि जांच में यह तथ्य सामने आता है कि उक्त कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, हस्ताक्षर की नकल करने तथा उसे न्यायालय में प्रस्तुत करने में अन्य व्यक्ति/अधिवक्ता भी सम्मिलित है तो उनके विरूद्ध भी विधि अनुसार कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। 9. यह कि उक्त कृत्य प्रथम दृष्टतया भारतीय न्याय संहिता 2023 की Forgery तथा Forged Document को Genuine के रूप में उपयोग करने से संबन्धित धाराओ तथा जांच में प्रकाश में आने वाले अन्य दण्डनीय अपराधो के अन्तर्गत आता है. बी.एन.एस. में Forged Document से सम्बन्धित विशेष प्रावधान है। 10. यह कि प्रकरण में मूल Vakalatnama कथित No Objection/with consern न्यायालय में दाखिल अन्य संबन्धित Document तथा संबन्धित Filing/Record को सुरक्षित कराना आवश्यक है, क्योकि यही दस्तावेज घटना के महत्वपूर्ण साक्ष्य है। अत: श्रीमान जी से प्रार्थना है कि क- इस प्रार्थना-पत्र पर संजान लेते हुए प्रकरण की निष्पक्ष एवं प्रभावी जांच कराई जाये। ब आरोपी महेन्द्र कुमार वर्मा उर्फ महेन्द्र सिंघानिया पुत्र स्व गयाप्रसाद नि.मु. गांधीनगर उरई, थाना कोतवाली उरई, जिला जालौन हाल निवासी बधैरा उरई थाना कोतवाली उरई जिला जालौन तथा जाँच में प्रकाश में आने वाले अन्य व्यक्तियो के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत एफ. आई. आर. पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जाये। ग- कथित Forged No Objection एवं Vakalatnama की मूल प्रति को संबन्धित न्यायालय से विधि अनुसार प्राप्त/सुरक्षित कराकर उसे जांच का हिस्सा बनाया जाये। घ- उक्त Disputed Signature को प्रार्थी के Admitted/Genuine Signature से Handwriting/Forensic E&pert mæÚUæ Examine कराया जाये। ड- उक्त Forged Document तैयार करने हस्ताक्षर की कूटरचना करने तथा उसे न्यायालय में दाखिल कराने में सम्मिलित सभी व्यक्तियो की भूमिका की जांच की जाये। च- यदि जाचं में किसी अधिवक्ता की संलिप्तता पाई जाती है तो उसके विरूद्ध संबन्धित Bar Council को भी विधि अनुसार सूचना/रिपोर्ट भेजी जाये। छ- प्रार्थी को Fir/Complaint की प्राप्ति तथा की गई कार्यवाही से अवगत कराया जाये। प्रार्थी को विश्वास है कि माननीय न्यायालय की कार्यवाही में प्रस्तुत किये गये इस प्रकार के कूटरचित दस्तावेज की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। स्थान प्रयागराज दिनांक - 01/09/2026 प्रार्थी ह0 अपठनीय विकास श्रीवास्तव (एडवोकेट) पुत्र स्व श्री सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव नि. मु. नया पटेल नगर कोंच, थाना-कोतवाली कोंच, जिला जालौन हाल निवासी नैनी, प्रयागराज । मो0 9450650834। मैं हे0कां0 मनोज कुमार प्रमाणित करता हूँ कि प्रार्थना पत्र की नकल व कायमी मेरे द्वारा अक्षरश: बोल बोल कर कम्प्यूटर द्वारा टाइप करायी गयी। 13. Action taken Since the above information reveals commission of offence(s) u/s as mentioned at Item No. 2. की गयी कार्यवाही : चूंकि उपरोक्त जानकारी से पता चलता है कि अपराध करने का रीका मद सं. 2 में उल्लेख धारा के तहत है ।

लंबित विवेचनाओं का अंबार देख भड़के एसपी-जल्द निस्तारण के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन) । अपराधों पर प्रभावी अंकुश और लंबित विवेचनाओं के त्वरित निस्तारण को लेकर पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने बुधवार रात कोतवाली कालपी में सर्किल के थाना प्रभारियों और विवेचना अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। करीब तीन घंटे चली बैठक में लंबित विवेचनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए एसपी ने अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान तीन माह से अधिक समय से लंबित विवेचनाओं की स्थिति सामने आने पर पुलिस अधीक्षक ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि लंबित विवेचनाओं के कारण पीड़ितों को न्याय मिलने में अनावश्यक देरी होती है। इसलिए विवेचना अधिकारी प्रत्येक मामले में साक्ष्यों का संकलन, आवश्यक कानूनी कार्रवाई और अभियुक्तों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया तेजी से पूरी करें। वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। एसपी ने कोतवालीबकालपी में तीन माह से अधिक समय से लंबित पांच और आटा थाने में तीन विवेचनाएं पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों से स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि अगली अपराध समीक्षा बैठक तक ऐसी विवेचनाओं का अनावश्यक रूप से लंबित रहना स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थानों में लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि क्षेत्र में अपराध की रोकथाम के लिए पुलिस की सक्रिय मौजूदगी जरूरी है। थाना प्रभारी और हल्का प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहें और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की प्रभावी गश्त सुनिश्चित करें। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को समय से चिन्हित स्थानों पर भेजा जाए, ताकि किसी भी घटना की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। उन्होंने हल्का प्रभारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अपने क्षेत्र में होने वाली आपराधिक घटनाओं के प्रति गंभीरता बरतें। पुलिस की लापरवाही सामने आने पर संबंधित की जवाबदेही तय की जाएगी। इसके साथ ही सभी थाना प्रभारियों को थानों में साफ-सफाई और अभिलेखों के रखरखाव की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। रात करीब 10 बजे शुरू हुई अपराध समीक्षा बैठक लगभग एक बजे तक चली। इस दौरान एसपी ने थाना प्रभारियों और उपनिरीक्षकों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में कोतवाली कालपी प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक उदय प्रताप सिंह, आटा थानाध्यक्ष अभिलाख मिश्रा, चुर्खी थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, कदौरा थानाध्यक्ष परमेंद्र सिंह समेत चौकी प्रभारी और हल्का प्रभारी मौजूद रहे।

फसल नुकसान का सर्वे और मुआवजे की मांग, किसानों ने सौंपा सात सूत्री ज्ञापन

रबी की बुवाई से पहले डीएपी-यूरिया उपलब्ध कराने की मांग, समस्याएं दूर न होने पर आंदोलन की चेतावनी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संगठन ने गुरुवार को तहसील परिसर में आवाज बुलंद की। तहसील अध्यक्ष अजय पाल सिंह के नेतृत्व में किसानों ने उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य को सात सूत्री ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग की। किसानों ने चेताया कि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा। ज्ञापन में किसानों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व और विकास से जुड़ी समस्याओं के लिए उन्हें बार-बार तहसील के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इससे किसानों का समय और धन दोनों बर्बाद होता है। उन्होंने मांग की कि लेखपाल और ग्राम पंचायत अधिकारियों को नियमित रूप से गांवों में भेजकर मौके पर ही किसानों की समस्याओं का समाधान कराया जाए।किसानों ने बरही बंबा श्रमदान मार्ग की खराब हालत का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि रास्ते में जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं। इससे खेतों तक कृषि कार्य के लिए पहुंचने में परेशानी हो रही है। किसानों ने मार्ग के गड्ढों में मिट्टी भरवाकर उसे आवागमन के योग्य बनाने की मांग की।बारिश से खरीफ की फसलों को हुए नुकसान को लेकर भी किसानों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि बारिश से कई किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं। ऐसे में प्रभावित क्षेत्रों में सर्वे कराकर नुकसान का आकलन कराया जाए और पात्र किसानों को नियमानुसार मुआवजा दिलाया जाए। रबी की बुवाई शुरू होने से पहले खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। किसानों ने सहकारी समितियों के साथ ही निजी दुकानों पर पर्याप्त मात्रा में डीएपी और यूरिया उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि बुवाई के समय किसानों को खाद के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने किसानों को शासन के निर्धारित नियमों के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराने की भी मांग की। संगठन ने किसानों से जुड़ी अन्य समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए कहा कि मांगों पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई

एक यूनिट रक्त बचा सकती है किसी की जिंदगी, उरई मेडिकल कॉलेज में गूंजा रक्तदान का संकल्प

- राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर रक्तदान के प्रति जागरूकता का संदेश

-प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने दिलाई नियमित रक्तदान की शपथ

-रेयर और नेगेटिव ब्लड ग्रुप वाले लोगों की सूची बनाने का किया आह्वान

(यंग भारत न्यूज)

उरई, 1 अक्टूबर। राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई के रक्तकोष विभाग में गुरुवार को राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस उत्साह और जनसेवा की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने का माध्यम है। दुर्घटना, प्रसव, गंभीर बीमारी और ऑपरेशन जैसी परिस्थितियों में समय पर रक्त की उपलब्धता बेहद महत्वपूर्ण होती है। युवाओं से विशेष रूप से रक्तदान के प्रति आगे आने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रशांत निरंजन, रक्तदान विभाग प्रभारी डॉ. माशूक सिद्दीकी, डॉ. चरक सांगवान और डॉ. जितेंद्र मिश्रा मौजूद रहे। रक्तकोष विभाग के काउंसलर राहुल, लैब टेक्नीशियन अमृता बाजपेई व अंकित शुक्ला, स्टेनोग्राफर सुधा और लैब अटेंडेंट ऋषभ ने आयोजन में सहयोग किया। इस अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में योगदान देने वाले सामाजिक संगठनों और रक्तदाताओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डिप्लोमा इंजीनियरिंग महासंघ उत्तर प्रदेश के जनपद अध्यक्ष बृजेंद्र कुमार, गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन के पदाधिकारी मोहम्मद साबिर व सैयद आमिर, संत निरंकारी मिशन उरई के ब्रांच प्रमुख राजीव कुमार तथा नियमित रूप से प्रत्येक तीन माह में रक्तदान करने वाले रक्तदाता सोहेल पांचाल शामिल रहे। प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने सामाजिक संगठनों से आग्रह किया कि वे अपने सदस्यों में रेयर और नेगेटिव ब्लड ग्रुप वाले लोगों की सूची तैयार करें। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में ऐसी सूची जरूरतमंद मरीजों तक समय से रक्त पहुंचाने में सहायक हो सकती है। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में उपस्थित मेडिकल कॉलेज स्टाफ, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और नागरिकों को स्वैच्छिक एवं नियमित रक्तदान की शपथ दिलाई गई। सभी ने स्वयं रक्तदान करने तथा परिवार और साथियों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। अंत में रक्तदान विभाग प्रभारी डॉ. माशूक सिद्दीकी ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं और सहयोगियों का आभार जताया।

कालपी में 60 वर्षीय वृद्ध का शव घर के कमरे में मिला, इलाके में हड़कंप, आत्महत्या की आशंका

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई । कालपी कोतवाली के मोहल्ला आलमपुर, कदौरा फाटक में गुरुवार, 1 अक्टूबर की सुबह करीब 10 बजे सनसनी फैल गई, जब करीब 60 वर्षीय व्यक्ति का शव उसके घर के कमरे में मिला। घटना की जानकारी होते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी।

मृतक की पहचान चरन सिंह पुत्र स्वर्गीय रामेश्वरम, उम्र करीब 60 वर्ष के रूप में हुई है। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार चरन सिंह मूल रूप से कालपी तहसील क्षेत्र के ग्राम शेखपुर गुढ़ा के निवासी थे। वह काफी समय से कालपी नगर में मकान बनाकर रह रहे थे।

बताया गया कि गुरुवार सुबह करीब 10 बजे घर में घटना की जानकारी सामने आई। इसके बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य व जानकारी जुटाई। पुलिस ने मामले से जुड़े लोगों से भी पूछताछ की है। घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे क्या वजह रही, इसे लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। परिजनों के अनुसार चरन सिंह के परिवार में दो पुत्र और एक पुत्री हैं। बताया जा रहा है कि तीनों की शादी हो चुकी है। अचानक हुई इस घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अचानक हुई घटना से आसपास के लोग भी स्तब्ध हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

किसानो की मासिक पंचायत में जलभराव, सड़क आदि समस्याए उठी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच विकासखंड कार्यालय परिसर में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की मासिक पंचायत आयोजित की गयी। पंचायत की अध्यक्षता पूर्व प्रधान वीरेंद्र सिंह ने की। बैठक में किसानों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए बीडीओ कौशल कुमार गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की।

किसानों ने बताया कि कई गांवों में सड़कों के निर्माण और सड़क पर डाली गई मिट्टी के कारण बारिश का पानी खेतों और आबादी बाले क्षेत्र में रुक रहा है। इससे खरीफ फसलों को नुकसान होने की आशंका है। किसानों ने जल निकासी की तत्काल व्यवस्था कराने की मांग की, ताकि खेतों से पानी निकल सके और फसल सुरक्षित रहे। बैठक में ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था का मुद्दा भी उठाया गया। किसानों के अनुसार कुछ गांवों में सफाई कर्मचारी लंबे समय से नहीं पहुंच रहे हैं, जिससे गंदगी की समस्या बनी हुई है। इसके अलावा खराब पड़े सरकारी हैंडपंपों की मरम्मत, गांवों के संपर्क मार्गों पर गिट्टी डालकर रास्ता दुरुस्त कराने तथा पुलिया और नालियों में जल निकासी सुचारु कराने की मांग की गई।भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष सुभाषचंद्र पटेल ने खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सभी समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग की। बैठक में किसानों ने कहा कि समय रहते जल निकासी की व्यवस्था नहीं हुई तो फसलों को नुकसान हो सकता है।इस मौके पर तहसील अध्यक्ष चतुर सिंह पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष पटेल, पीडी निरंजन, गोविंद सिंह पटेल, जगदीश प्रसाद, हरिसिंह, मलखान, राजेश, रामदास, भगवान सिंह, मुकेश, बलराम, गोविंद सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों को समावेशी शिक्षा देने के लिए शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण

(यंग भारत न्यूज)

कोंच समग्र शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों को समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिषदीय विद्यालयों के सहायक अध्यापकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। नगर के पटेल नगर स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र के सभागार में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में शिक्षक-शिक्षिकाओं को दिव्यांग बच्चों की शैक्षिक जरूरतों और उनकी क्षमताओं को समझने के साथ उन्हें विद्यालय की मुख्यधारा से जोड़ने के संबंध में जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी सुनील राजपूत के निर्देशन में किया जा रहा है। प्रशिक्षण में स्पेशल एजुकेटर जगत सिंह पाल, नीरज गोयल और कपूर देवी द्वारा शिक्षकों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों की पहचान, उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं, सीखने की क्षमता और कक्षा में उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है।प्रशिक्षणदाताओं ने शिक्षकों से कहा कि दिव्यांग बच्चों के प्रति संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार किया जाना जरूरी है। प्रत्येक बच्चे की जरूरत और क्षमता अलग होती है, इसलिए शिक्षकों को उसी के अनुरूप शिक्षण की प्रक्रिया अपनानी चाहिए। कक्षा में दिव्यांग बच्चों को अन्य विद्यार्थियों के समान सीखने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। इस दौरान शिक्षकों को बताया गया कि समावेशी शिक्षा का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को अलग रखने के बजाय उन्हें सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल करना है। इसके लिए विद्यालय का वातावरण सहयोगी और सहज बनाया जाना आवश्यक है। प्रशिक्षण में शिक्षकों को ऐसे तरीकों की जानकारी दी जा रही है, जिनके माध्यम से दिव्यांग बच्चे कक्षा की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले सकें और अपनी शिक्षा को बेहतर ढंग से जारी रख सकें। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को समावेशी शिक्षा को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा दिव्यांग बच्चों के अधिकारों और शैक्षिक अवसरों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

ब्लॉक संसाधन केंद्र कनासी में हुआ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ नदीगांव की बैठक का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई नदीगांव की एक आवश्यक बैठक ब्लॉक संसाधन केंद्र कनासी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संघ के जिला संयुक्त मंत्री उपवन कुमार सिंह ने बैठक के दौरान संघ की सदस्यता अभियान की समीक्षा कर अधिक से अधिक शिक्षकों को जोड़ने के लिए ब्लॉक इकाई को निर्देशित किया। बैठक में संघ के पूर्व अध्यक्ष अजय सिंह ने शिक्षक-शिक्षिकाओं से जुड़ी समस्याओं को उचित मंच पर उठाकर उनका त्वरित निराकरण कराए जाने पर संघ की ब्लॉक इकाई के पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली और संगठन के प्रति निष्ठा पर प्रसन्नता व्यक्त की। बैठक में संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अभिषेक निरंजन द्वारा बताया गया कि ब्लॉक क्षेत्र में वार्षिक सदस्यता अभियान- 2026 से अधिक से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाओं को संगठन से जोड़ा जा रहा जिससे और अधिक क्रियाशीलता एवं मजबूती के साथ संगठन कार्य कर सके। उन्होंने कहा कि शिक्षक-शिक्षिकाओं की समस्याओं के निराकरण के लिए न्याय पंचायतवार समस्याएं एकत्रित की जाएंगी ताकि विशेषकर शिक्षिकाओं को अनावश्यक रूप से कार्यालय आने के लिए भागदौड़ न करनी पड़े।बैठक का संचालन ब्लॉक मंत्री केशव द्विवेदी ने किया। बैठक में अंजनी कुमार, सुबोध निरंजन, भूपेन्द्र सिंह, रेखा सोनी, आरती निरंजन, नेहा त्रिपाठी, आरती रेजा, प्रेरणा पटेल, मनोज सौनकिया, राजीव शुक्ला, देवाशीष गोस्वामी, पुष्पम निरंजन, विनोद कुमार, दीपक निरंजन, सौभाग्य टीहर, रामेंद्र सिंह, अंकित दुबे, अतुल पटेल, छोटे राजा, देवेश पटेल, संदीप निरंजन, अतुल पटेल, सुधीर प्रताप सिंह, अभयदत्त पांडेय, राहुल कुमार, विवेक निरंजन, सर्वेश कुमार आदि शिक्षक-शिक्षिकायें मौजूद रही।

अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने माधौगढ़ कोतवाली का किया औचक निरीक्षण

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन): अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने वुधवार शाम को कोतवाली माधौगढ़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने के प्रशासनिक व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने मालखाना, रिकॉर्ड रजिस्टर, परिवार परामर्श केंद्र तथा शस्त्रागार (लॉकर) का गहनता से अवलोकन किया। उन्होंने लंबित मामलों के निस्तारण, अभिलेखों के सही रखरखाव और थानों में आने वाले फरियादियों की शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर दिया। डॉ. ईशान सोनी ने कोतवाली परिसर का भ्रमण कर वहां की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और बैरक का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को परिसर को स्वच्छ रखने और अनुशासित रहकर जनता के साथ मित्रवत व्यवहार करने की हिदायत दी। साथ ही, परिवार परामर्श केंद्र के जरिए पारिवारिक विवादों को आपसी सहमति से सुलझाने के निर्देश दिए।

क्षेत्र के पुलिस अधिकारी एवं थाना प्रभारी रहे मौजूद

औचक निरीक्षण के समय कोतवाली माधौगढ़ प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा, थाना रामपुरा प्रभारी कृष्ण सरोज, थाना गोहन प्रभारी सतीश कुमार, रेढर थाना प्रभारी सहित क्षेत्र की समस्त चौकियों के इंचार्ज और भारी पुलिस बल मौजूद रहा। निरीक्षण के अंत में अपर पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने, शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने के कड़े निर्देश दिए।

44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने के करीब पहुंची महिला हॉकी टीम

कोरिया को हराकर फाइनल में बनाई जगह, अब सामना चीन से

काकामिगाहारा

शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों में 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने के करीब पहुंच गई, जिसने बुधवार को दक्षिण कोरिया को 2-0 से हराकर 8 साल बाद फाइनल में जगह बनाई।

भारत के लिए इशिका ने 44वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया जबकि चार मिनट बाद कप्तान सलीमा टेटे ने गोल दागा। एशियाई खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिर्फ एक बार दिल्ली में 1982 में स्वर्ण पदक जीता था जब पहली बार महिला हॉकी को इन खेलों में शामिल किया गया। पिछली बार भारत ने कांस्य जीता और 2018 में रजत पदक जीता था। भारत का सामना अब मौजूदा चैंपियन चीन से होगा।

ग्रुप चरण में अजेय रही भारतीय टीम

ग्रुप चरण में सारे मैच जीतकर अजेय रही भारतीय टीम को कोरिया के डिफेंडरों ने बांधे रखा और मैच में बारह पेनल्टी कॉर्नर में से सिर्फ एक पर गोल हो सका। भारत ने पहले ही क्वार्टर में आठ पेनल्टी कॉर्नर बनाए लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर दूसरे ही मिनट में मिला लेकिन दीपिका की फ्लिक को कोरियाई गोलकीपर लिवोन जोंग ली ने कुशलता से बचाया। दो मिनट बाद भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर नवनीत कौर को कामयाबी नहीं मिली। कोरियाई गोलकीपर ने छठे मिनट में फिर बचाव किया जब दूर से मिले पास पर रुतुजा पिसाल का डिफ्लेक्शन सफल नहीं रहा। दूसरे क्वार्टर में भारत को तीन और पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। दूसरे हाफ में भी भारत ने लगातार हमले बोले जबकि कोरिया का डिफेंस मजबूत रहा।

आज सेमीफाइनल : पाकिस्तान से भिड़ेगा भारत

गत चैंपियन भारत गुरुवार को यहां एशियाई खेलों के पुरुष हॉकी सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के साथ अंतरराष्ट्रीय हॉकी की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता में से एक को फिर जीवित करेगा तो टीम की नजरें 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने पर भी टिकी होंगी। एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम सीधे लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेगी और भारत इस मौके को गंवाना नहीं चाहेगा। दूसरे सेमीफाइनल में मलेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

कुश्ती : सुनील ने लगातार जीता दूसरा कांस्य

सुनील कुमार दो एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले भारत के पहले ग्रीको रोमन पहलवान बन गए, जिन्होंने बुधवार को पुरुषों के 87 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता जबकि बाकी दोनों प्रतियोगिता के पहले ही दिन हारकर बाहर हो गए। सुनील ने फिलीपींस के रोबर्टो कहाम जॉनस्टन को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी का बढ़िया हाथ खोलकर उन्हें पटखनी देते हुए 4-0 से बढ़त बना ली। रक्षात्मक खेल रहे जॉनस्टन को 'पार टेरे' पोजिशन से जमीन पर गिराते हुए सुनील ने स्कोरिंग मूव बनाते हुए पहले ही पीरियड में मुकाबला जीत लिया।

टेनिस : नागल ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नागोया। टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने बुधवार को पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली जबकि दक्षिणेश्वर सुरेश तीसरे दौर में हारकर बाहर हो गए। सातवीं वरीयता प्राप्त और विश्व रैंकिंग में 289वें स्थान पर काबिज नागल ने उज्बेकिस्तान के सर्गेई फोमिन को सीधे सेट में 6-3, 6-2 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। नागल ने फोमिन के खिलाफ मुकाबले में शुरू से दबदबा बनाए रखा और सीधे सेटों में जीत दर्ज की। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त चीन के यीबिंग वू से होगा, जो विश्व रैंकिंग में 110वें स्थान पर हैं। नागल और वू इससे पहले 2024 शंघाई मास्टर्स में एक बार आमने-सामने हुए थे, जहां भारतीय खिलाड़ी को चीनी खिलाड़ी के खिलाफ 3-6, 3-6 से हार मिली थी। दूसरी ओर दक्षिणेश्वर को तीसरे दौर में चीनी ताइपे के छठी वरीयता प्राप्त यू शिउ सेंग के हाथों 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा।

मुक्केबाजी : गोल्ड से एक जीत दूर लवलीना

हिरोशिमा। मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने बुधवार को एशियाई खेलों में महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में जगह पक्की की, लेकिन प्रिया धायल और कपिल पोखरिया को सेमीफाइनल में हारने के कारण कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पिछले एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता लवलीना ने 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की मुक्केबाज नतालिया बोगदानोवा पर 3-2 के विभाजित फैसले से जीत हासिल की। बोगदानोवा 70 किलोग्राम में मौजूदा विश्व चैंपियन हैं। इससे लवलीना लगातार दो बार एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं।

प्रिया और कपिल को कांस्य

प्रिया हालांकि महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में चीन की पूर्व विश्व चैंपियन यांग वेन्यू से हार गईं और इस तरह से उन्हें कांस्य पदक मिला। एशियाई खेलों में पदार्पण कर रही 20 वर्षीय प्रिया को अपने कहीं अधिक अनुभवी चीनी प्रतिद्वंद्वी से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य भारतीय मुक्केबाज कपिल भी पुरुषों के 90 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन तुर्साबेक खाबीबुल्लाएव से 1-4 के समान अंतर से हार गए और उन्हें भी कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

मुकाबला काफी कठिन था : लवलीना

लवलीना ने कहा, यह शानदार अनुभव रहा। यह मेरे दूसरे एशियाई खेल हैं। पिछली बार मैंने रजत पदक जीता था। इसलिए इस बार मैं निश्चित रूप से स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करूंगी। देखते हैं फाइनल में क्या होता है। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि यह मुकाबला काफी कठिन था।

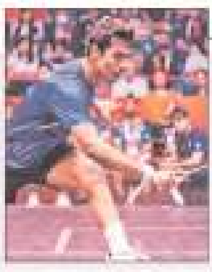

स्क्वाश : पुरुष और महिला टीम ने किए पदक पक्के

नागोया। भारतीय पुरुष और महिला टीम ने बुधवार को क्रमश: कुवैत और सिंगापुर को हराकर एशियाई खेलों की स्क्वाश प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई और अपने लिए पदक पक्के किए। भारतीय महिला टीम गुरुवार को सेमीफाइनल में हांगकांग से भिड़ेगी जबकि पुरुष टीम का सामना मलेशिया से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में कुवैत पर 2-0 से जीत हासिल की। वीर चोटरानी ने पहले एकल मुकाबले में अम्मार अलतमीमी के खिलाफ काफी पसीना बहाया लेकिन आखिर में वह 34 मिनट तक चले मैच में 12-10, 8-11, 11-0, 11-5 से जीत हासिल करने में सफल रहे।

गिल का रिकॉर्ड दोहरा शतक, रोहित का शतक भारत ने सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई

- गिल सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने
- गिल ने ईशान किशन के 126 गेंद में दोहरे शतक के रिकॉर्ड को तोड़ा
- रोहित ने 101 रन की पारी में 10 चौके, 6 छक्के लगाए

पहाड़ सा स्कोर फिर भी 39 गेंद पहले जीते

गुवाहाटी

कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 233 रन) के रिकॉर्ड सबसे तेज दोहरे शतक और रोहित शर्मा (101 रन) के शतक से भारत ने बुधवार को यहां दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज पर आठ विकेट से जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। दो पीढ़ियों के इन सुपरस्टार बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने 50 ओवर के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा सफल 'रन चेज' पूरा किया। वेस्टइंडीज ने शायद उम्मीद की होगी कि 405 रन का लक्ष्य भारतीय बल्लेबाजों के लिए बहुत मुश्किल साबित होगा, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ। गिल ने अपनी ही टीम के साथी ईशान किशन के 126 गेंद में दोहरे शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 117 गेंद में 200 रन पूरे किए और वनडे में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ दिया। वहीं पूर्व कप्तान रोहित ने वनडे में अपना 35वां शतक पूरा किया। दोनों ने मिलकर सिर्फ 26.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 255 रन की साझेदारी कर दी और भारत ने 43.3 ओवर में दो विकेट पर 406 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस रात काफी रिकॉर्ड टूटे जिसमें भारत ने वनडे में अपना सबसे बड़ा लक्ष्य भी हासिल। अब भारत से आगे सिर्फ दक्षिण अफ्रीका है जिसने 2006 में जोहानिसबर्ग में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 435 रन के लक्ष्य का सफल पीछा किया था। बारसापारा की पिच बल्लेबाजी के अनुकूल रही जिस पर 811 रन बने जो एक मैच में सबसे ज्यादा कुल रन का रिकॉर्ड रहा। वेस्टइंडीज ने जॉन कैंपबेल (101 रन), शाई होप (104 रन) और आमिर जांगू (114 रन) के शतकों की बदौलत 50 ओवर के प्रारूप में 400 रन से अधिक का पहला स्कोर खड़ा किया। लेकिन मेजबान टीम ने 2013 में जयपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक विकेट पर 362 रन के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य का पीछा करने के रिकॉर्ड को बेहतर कर दिया। हालांकि भारत के सामने शुरुआती चुनौती अपना पहला 400 से अधिक के लक्ष्य का सफल पीछा करना था। रोहित और गिल ने शानदार शॉट्स की झड़ी लगाकर इसे एक पायदान और ऊपर उठा दिया। इस दौरान रोहित ने 12,000 वनडे रन पूरे किए जिससे वह ऐसा करने वाले केवल सातवें क्रिकेटर तथा सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के बाद तीसरे भारतीय बने। इसके बाद उन्होंने एक और वनडे शतक पूरा किया और अपने अंदाज से हटकर हल्की उछल-कूद के साथ जश्न मनाया। गिल ने इससे पहले केवल 62 गेंदों में अपना 11वां वनडे शतक पूरा किया, यह इस प्रारूप में उनका सबसे तेज शतक था। भारत 22वें ओवर तक बिना कोई विकेट गंवाए 200 रन तक पहुंच गया था। यह पहली बार था जब किसी वनडे में 350 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी सलामी जोड़ी ने ऐसा किया। पर यह साझेदारी 254 पर समाप्त हुई जब रोहित 75 गेंद पर 101 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद कैंपबेल ने 65 गेंदों में शतक जड़कर लय तय की। कैंपबेल ने 68 गेंदों पर 101 रन की पारी के दौरान भारतीय आक्रमण की धुनाई की जिसमें नौ चौके और पांच छक्के जड़े थे। इसके बाद होप और जांगू ने बीच के और अंतिम ओवरों में दबदबा बनाते हुए करीब आठ रन प्रति ओवर की दर से स्कोर में इजाफा किया।

- रोहित ने वनडे में 35वां शतक जड़ा, गिल का 11वां सैकड़ा
- भारत ने वनडे में पहली बार 400+ का टारगेट चेज किया
- रोहित-गिल ने मिलकर 26.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 255 रन की साझेदारी की

वेस्टइंडीज-405/7 (50)

खिलाड़ी	रन
जॉन कैंपबेल का धीर बो ठाकुर	101
कीसी कार्टी का धीर बो प्रसिद्ध	09
शाई होप का बधो बो कुलदीप	104
आमिर जा गायकवाड़ बो जडेजा	114
रदरफोर्ड का जायसवाल बो ठाकुर	00
रोस्टन चेस नाबाद	29
कीमो पॉल का कोहली बो कुलदीप	03
जोसेफ का रोहित बो जडेजा	08
शामर जोसेफ नाबाद	14

अतिरिक्त : 23 रन

कुल : 50 ओवर में सात विकेट पर 405 रन

विकेट पतन : 1-37, 2-147, 3-324, 4-330, 5-348, 6-369, 7-385

गेंदबाजी : प्रसिद्ध 5-0-45-1, बधो 8.3-0-84-0, ठाकुर 10-0-96-2, धीर 6.1-0-38-0, जडेजा 10-0-75-2, कुलदीप 10-0-65-2

भारत- 406/2 (43.3)

खिलाड़ी	रन
रोहित शर्मा पगबाधा बो सील्स	101
शुभमन गिल नाबाद	233
कोहली का रदरफोर्ड बो शमार	29
ऋतुराज गायकवाड़ नाबाद	31

अतिरिक्त : 22

कुल : 43.3 ओवर में दो विकेट पर 406 रन

विकेट पतन : 1-255, 2-320

गेंदबाजी : जेडन सील्स 8-0-78-1, अल्जारी जोसेफ 8-0-89-0, शमार जोसेफ 8-0-52-1, कीमो पॉल 3-0-49-0, रोस्टन चेज 6.3-0-63-0, खैरी पियरे 10-0-73-0

ऑस्ट्रेलियाई टीम 176 रन पर ढेर इंडिया-ए विमेंस की पकड़ मजबूत

धर्मशाला

इंडिया-ए विमेंस ने ऑस्ट्रेलिया-ए विमेंस के खिलाफ जारी अनाधिकारिक टेस्ट मुकाबले में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में जारी इस मुकाबले के दूसरे दिन की समाप्ति तक भारतीय टीम के पास 322 रन की मजबूत बढ़त है। चार दिवसीय मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी इंडिया-ए विमेंस ने अपनी पहली पारी में 364 रन बनाए। शुभा सतीश और प्रिया पुनिया की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 102 रन की साझेदारी की। शुभा 59 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जबकि प्रिया ने 46 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में सिर्फ 176 रन पर सिमट गई। कप्तान रेचल ट्रेनामन ने ताहलिया विल्सन के साथ पहले विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। ताहलिया 44 रन, जबकि विल्सन 35 रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

आज से ईरानी कप, आकाश पर नजर

श्रीनगर

कमर में खिंचाव के कारण 7 महीने तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी करने वाले तेज गेंदबाज आकाश दीप शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू कश्मीर के बीच गुरुवार से शुरू होने वाले ईरानी कप मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

आकाश दीप आखिरी बार फरवरी में रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में खेले थे और अब उन्हें सात महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद अपनी फिटनेस साबित करने के साथ-साथ गेंदबाजी की लय हासिल करने का मौका मिलेगा। इस मैच के दौरान कम से कम दो राष्ट्रीय चयनकर्ता उपस्थित रहेंगे और उनका ध्यान निश्चित तौर पर आकाश दीप के प्रदर्शन पर रहेगा, जो जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ के साथ न्यूजीलैंड जाने वाली टेस्ट टीम में पांचवां तेज गेंदबाज बनने की दौड़ में हैं।

शेष भारत की अगुवाई करेंगे पंत

खूबसूरत शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में होने वाले इस मैच में शेष भारत की अगुवाई ऋषभ पंत करेंगे जिसमें घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ी शामिल हैं। जम्मू कश्मीर को हालांकि अपने मुख्य तेज गेंदबाज औकिब नबी की कमी खलेगी, जो अभी राष्ट्रीय टीम के साथ हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने लंबे समय बाद श्रीनगर में कोई महत्वपूर्ण मैच का आयोजन किया है।

कुलदीप के वनडे में 200 विकेट पूरे कुंबले और वॉर्न से निकले आगे

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में कुलदीप यादव ने वनडे में अपने 200 विकेट पूरे कर लिए। उन्होंने कीमो पॉल को विराट कोहली के हाथों कैच कराकर यह उपलब्धि हासिल की। कुलदीप ने सिर्फ 123 वनडे में 200 वनडे विकेट पूरे कर लिए हैं। वह वनडे में भारत के लिए सबसे कम मैच में 200 विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। वह मोहम्मद शमी से पीछे हैं, जिन्होंने सिर्फ 104 वनडे मैच में ही अपने 200 विकेट पूरे कर लिए थे। कुलदीप ने इस मैच में अपने 200 विकेट पूरे करने के साथ ही अनिल कुंबले और शेन वॉर्न जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। वह सबसे कम मैचों में 200 वनडे विकेट लेने के स्पिन गेंदबाजों में सकलैन मुश्ताक और राशिद खान के बाद तीसरे नंबर पर हैं।

शुभमन की बादशाहत बरकरार, चौथे नंबर पर रोहित शर्मा

कोहली को मिला इनाम, वनडे रैंकिंग में पहुंचे दूसरे नंबर पर

दुबई

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में शतकीय पारी खेलने का इनाम विराट कोहली को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है।

बल्लेबाजों की रैंकिंग में कोहली ने एक पायदान की छलांग लगाई है और वह अब दूसरे नंबर पर आ गए हैं। कोहली से आगे वनडे रैंकिंग में अब सिर्फ शुभमन गिल हैं, जो पहले एकदिवसीय मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी बादशाहत को बरकरार रखने में सफल रहे हैं। विराट के एक पायदान ऊपर चढ़ने से न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल को नुकसान पहुंचा है। वह बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में अब तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। हालांकि, रोहित शर्मा की पोजीशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है और वह चौथे नंबर पर बने हुए हैं।

मेंडिस ने हासिल की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग

श्रीलंका के बल्लेबाज कुशल मेंडिस वनडे क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे हैं।

उन्होंने तीन पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। मेंडिस को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 121 रनों की शानदार पारी का इनाम मिला है। हैरी ब्रूक टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल होने से महज एक पायदान दूर हैं। वह ताजा रैंकिंग में 11वें नंबर पर आ गए हैं। आयरलैंड के बल्लेबाज हैरी टेक्टर 10वें नंबर पर बने हुए हैं।

बावुमा ने लगाई की 10 पायदान की लंबी छलांग

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में शतकीय पारी खेलने वाले टेंबा बावुमा ने 10 पायदान ऊपर की छलांग लगाई है और वह अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में 22वें नंबर पर आ गए हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके ने 19 पायदान की छलांग लगाई है और वह अब 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। ट्रेविस हेड 142 रनों की शानदार पारी खेलने के साथ ही 40वें नंबर पर आ गए हैं।

बुजुर्गों में होने वाली अधिकांश समस्याओं को दूर करने के लिए उनकी डाइट न्यूट्रिशस और बैलेंस्ड होना बहुत जरूरी है। बुजुर्गों की डाइट कैसी होनी चाहिए, यहां डिटेल में बता रहे हैं।

न्यूट्रिशस-बैलेंस्ड हो बुजुर्गों की डाइट

डाइट सजेशन
सची जैन, डाइटीशियन

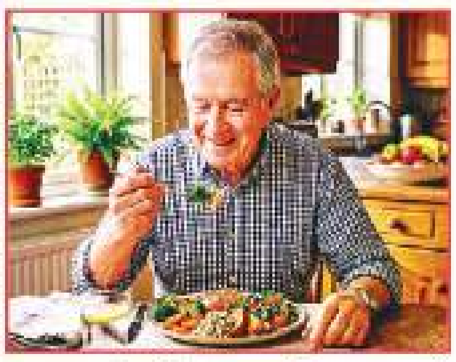

साठ की उम्र के बाद शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। ऐसे में उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने के लिए स्वस्थ आहार लेते रहना महत्वपूर्ण हो जाता है। इस उम्र में डाइजेशन सिस्टम धीमा हो जाता है, शारीरिक गतिविधियां कम होती हैं और हड्डियां तथा मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में सही और संतुलित आहार बुजुर्गों को ऊर्जावान बनाए रखने, बीमारियों से बचाने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मसल्स के लिए प्रोटीन: उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। इसलिए दालें, बींस, अंकुरित अनाज, सोयाबीन, दूध, दही, पनीर के रूप में पर्याप्त प्रोटीन डाइट में जरूर शामिल करें। नॉन-वेजिटेरियन हैं तो उबला अंडा या ग्रिल्ड मछली खा सकते हैं। मांसपेशियों के निर्माण, अच्छी सेहत और संतुलित पोषण के लिए मीट, सफेद मांस वाली मछली, अंडे का सफेद भाग और बींस डाइट में शामिल करें।

बोंस के लिए कैल्शियम-विटामिन डी: हड्डियों को मजबूत रखने और फ्रेक्चर के जोखिम को कम करने के लिए कैल्शियम युक्त भोजन करें। कम फैट वाले डेयरी उत्पाद जैसे टोंड दूध और पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें, क्योंकि इनमें कैल्शियम काफी मात्रा में होता है। डाइट में कम वसा वाला दूध, दही, छाछ, पनीर और रागी खाएं। थोड़ी देर सुबह की धूप में बैठें।

पाचन के लिए फाइबर: बुजुर्गों में कब्ज की समस्या आम होती है, जिससे फाइबर युक्त खाना राहत देता है। इसके लिए डाइट में ओट्स, दलिया, छिलके वाली दालें, सेब, पपीता, अमरूद और हरी सब्जियां शामिल करें। उच्च फाइबर वाले फूड्स, पोषण से भरपूर होते हैं उनके सेवन से कब्ज में राहत मिल सकती है।

इम्यूनिटी के लिए विटामिन सी: रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए ताजे फल और सब्जियां जैसे संतरे, आंवला, नींबू, पालक, ब्रोकली और टमाटर डाइट में शामिल करें।

याददाश्त के लिए: बढ़ती उम्र के साथ याददाश्त में कमी आना एक आम समस्या होती है, जिसे अक्सर डिमेंशिया के रूप में जाना जाता है। इसे पूरी तरह रोकना संभव नहीं होता, लेकिन सही खानपान अपनाकर इसके प्रभाव और गति को कम जरूर किया जा सकता है। डिमेंशिया के प्रभाव और गति को कम करने के लिए रोजाना के भोजन में ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां और साबुत अनाज शामिल करें। ये दिमाग को आवश्यक एंटी-ऑक्सीडेंट्स प्रदान करते हैं।

डेली डाइट चार्ट: बुजुर्गों का डेली डाइट चार्ट कुछ ऐसा होना चाहिए। सुबह सबसे पहले 1 गिलास गुनगुना पानी, 4-5 भीगे बादाम और अखरोट। नाश्ते में ओट्स/दलिया/बेसन का चीला/पोहा/इडली और 1 कप टोंड दूध या चाय।

दोपहर के खाने में 1-2 रोटी (मल्टीग्रेन), 1 कटोरी चावल, दाल, हरी सब्जी, 1 कटोरी दही/सलाद। शाम के नाश्ते में 1 कप मखाना/भुना चना/सूप/कोई 1 मौसमी फल, मट्ठा या हर्बल-टी। रात के खाने में 1-2 रोटी, पतली दाल या लौकी/तोरई की सब्जी रात 8 बजे तक खा लें। सोने से पहले 1 छोटा गिलास हल्दी वाला गुनगुना दूध। इनके अलावा कुछ अन्य बातों पर भी ध्यान देना चाहिए।

- जिन बुजुर्गों को दांतों की समस्या है या चबाने में कठिनाई होती है, उन्हें अच्छी तरह पका खाना, मैश करके दलिया/सूप के रूप में खाना चाहिए।
- ब्लड प्रेशर और डायबिटीज को कंट्रोल में रखने के लिए सीमित मात्रा में नमक और चीनी का प्रयोग करना चाहिए।
- सैचुरेटेड फैट को कम करें और तले हुए भोजन, हाई फैट वाले डेयरी और मांस को कम करें। इसके बजाय एवोकैडो, मछली और वनस्पति तेलों जैसे अनसैचुरेटेड फैट वाले फूड्स का सेवन करें।
- उम्र के साथ प्यास कम लगती है, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है। इससे बचने के लिए दिनभर में 7-8 गिलास पानी या नारियल पानी, छाछ, सूप लेना चाहिए। पानी से दिमाग को हेल्दी रखने, शरीर का तापमान मेंटेन करने में मदद मिलती है। *

प्रस्तुतिः ललिता गोयल

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस
1 अक्टूबर, विशेष

वृद्धावस्था में गिरने की आशंका बहुत बढ़ जाती है। किसी बीमारी या कमजोरी से ज्यादा सही तरीके से न चलने के कारण वृद्ध अधिक गिरते हैं। ऐसे में गिरने से बचाव के लिए डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट से चलने-फिरने का सही तरीका सीखना जरूरी है। इस बारे में सभी वृद्धजनों के लिए बहुत उपयोगी सलाह दे रहे हैं।

सीख लें चलने का सही तरीका वृद्धावस्था में गिरने से होगा बचाव

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. मोहसिन वली
सीनियर फिजिशियन, सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली

अक्सर लोग बढ़ती उम्र में गिरने को सामान्य घटना मान लेते हैं। लेकिन वैज्ञानिक मानते हैं कि बुजुर्गावस्था में गिरना स्वाभाविक नहीं है, इसे समय रहते पहचाना और रोका जा सकता है। बुजुर्ग कमजोरी या अधिक उम्र के बजाय शारीरिक-असंतुलन, स्थिरता, चलने-फिरने की सही तकनीक और गिरने से बचाव में की जाने वाली असावधानियों की वजह से ज्यादा गिरते हैं। जो बुजुर्ग एक विशेष तरीके से चलते हैं, वे न केवल बहुत कम गिरते हैं और कम चोटिल होते हैं और अधिक समय तक स्वतंत्र (बिना दूसरों पर निर्भर हुए) जीवन जी पाते हैं। इसलिए बुजुर्गों के लिए सही ढंग से चलना सीखना, गिरने से बचाव का सबसे प्रभावी उपायों में से एक है।

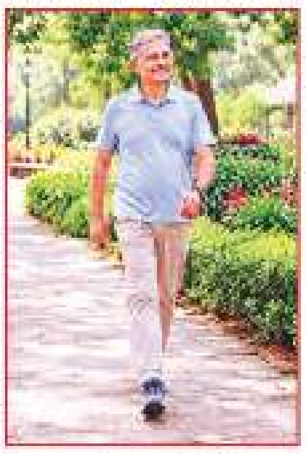

बड़ी समस्या है ओल्ड एज में गिरना: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार गिरना दुनिया भर में अनजाने में होने वाली चोटों और उनसे होने वाली मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। हर साल करीब 6 लाख 84 हजार लोगों की मौत गिरने की वजह से होती है। 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में गिरने से होने वाली मौतों की दर सबसे ज्यादा है। करीब 3 करोड़ 73 लाख गिरने की घटनाएं, ऐसी शारीरिक क्षमता में गिरावट की शुरुआत होती है, जिससे इंसान अक्सर उबर नहीं पाता। ऐसे लोग एक बार बिस्तर पकड़ लेते हैं तो दुबारा अपने बल पर पूरी तरह खड़े नहीं हो पाते हैं।

क्या हैं कारण: शोध बताते हैं कि 65 साल की उम्र के बाद कदम की चौड़ाई में भिन्नता स्वाभाविक रूप से बढ़ने लगती है, क्योंकि पैरों के तलवों से मिलने वाला संवेदी फीडबैक, आंखों की दृष्टि और भीतरी कान का संतुलन-तंत्र (वेस्टीबुलर सिस्टम), ये तीनों उम्र के साथ धीरे-धीरे कमजोर पड़ते हैं। दिमाग को शरीर की स्थिति और जमीन की सतह की जानकारी सही समय पर नहीं मिल पाती, जिससे पैर रखने में मामूली चूक होने लगती है। गिरने का खतरा सिर्फ कमजोरी या उम्र से नहीं, बल्कि चलने के पैटर्न में आई सूक्ष्म अनियमितताओं से भी जुड़ा होता है। गिरना अक्सर चलने के तरीके में आई एक बहुत छोटी और लगभग अदृश्य गड़बड़ी से शुरू होता है। पैर थोड़ा कम उठना, कदम का थोड़ा असमान होना या शरीर का संतुलन एक पल के लिए डगमगाना- ये सब मिलकर उस स्थिति को जन्म देते हैं, जब शरीर संभल नहीं पाता।

क्या होता है असर: गिरने की घटना बुजुर्गों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। आत्मविश्वास कम होने और दोबारा गिरने का डर विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है। वे चलना-फिरना, घर से बाहर निकलना या सामान्य गतिविधियां करना कम कर देते हैं। जिससे उनकी मांसपेशियां और कमजोर होने लगती हैं, शारीरिक सक्रियता और स्वतंत्रता दोनों प्रभावित होती है, गिरने का खतरा और बढ़ जाता है।

किन्हें है ज्यादा रिस्क: कुछ लोगों में गिरने का खतरा अपेक्षाकृत अधिक होता है। इन्हें चलने की सही तकनीक सीखने के साथ-साथ नियमित तौर पर चिकित्सकीय जांच भी करानी चाहिए।

- 65 वर्ष से अधिक आयु के लोग।
- जिनकी दृष्टि कमजोर हो।
- जिन्हें गठिया या ऑस्टियोपोरोसिस हो।
- पैरों की संवेदना कम हो गई हो।
- पार्किंसन या स्ट्रोक की समस्या रही हो।
- जिन्हें बार-बार चक्कर आते हों।
- जो ऐसी दवाएं लेते हों जिनसे नींद या चक्कर आ सकते हों।

तब डॉक्टर से करें कंसल्ट: अगर किसी बुजुर्ग को बार-बार चक्कर आते हों, चलते समय पैर कांपते हों, संतुलन लगातार बिगड़ता हो या बिना कारण बार-बार गिर रहे हों, तो इसे केवल बढ़ती उम्र का असर मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह पार्किंसन रोग, स्ट्रोक, तंत्रिका संबंधी समस्या, विटामिन बी-12 की कमी, लो ब्लड प्रेशर या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी हो सकता है। ऐसी स्थिति में चिकित्सक या फिजियोथेरेपिस्ट से परामर्श लेना आवश्यक है।

कैसे करें बचाव: गिरने से बचाव के लिए चलने की सही तकनीक अपनाना, सही चाल विकसित करना जरूरी है। चलने की कुछ आदतों में छोटे-छोटे बदलाव करके संतुलन और आत्मविश्वास दोनों को बेहतर बनाया जा सकता है। लंबे समय तक सुरक्षित, सक्रिय और आत्मनिर्भर जीवन जिया जा सकता है।

हमेशा सामने देखें: अधिकांश बुजुर्ग चलते समय अपने पैरों या जमीन की ओर देखते रहते हैं। उन्हें लगता है कि नीचे देखने से वे गड्ढों या बाधाओं को आसानी से देख पाएंगे और गिरने से बच जाएंगे। लेकिन वास्तव में यह आदत संतुलन को कमजोर कर सकती है।

क्या करें: चलते समय सिर झुकाने के बजाय सामने देखने की आदत डालें। इससे ठोकर लगने और दूरी का गलत अनुमान लगाने की संभावना कम हो सकती है।

नियंत्रित कदमों से चलें: कुछ लोग चलते समय पैर जोर से जमीन पर पटकते हैं। यह केवल आवाज ही नहीं पैदा करता, बल्कि घुटनों, टखनों और कूल्हों पर अतिरिक्त दबाव भी डालता है। भारी कदमों से चलने पर शरीर का संतुलन बिगड़ सकता है और अचानक प्रतिक्रिया देने की क्षमता भी कम हो जाती है। जबकि कदम हल्के, मुलायम और नियंत्रित हों, तो शरीर सहज रूप से आगे बढ़ता है और पैर के जोड़ों पर कम दबाव पड़ता है।

क्या करें: धीरे-धीरे चलें। धीरे, आराम से और बिना पैरों को पटकते हुए चलने से संतुलन और चलने की स्थिरता दोनों बेहतर होती हैं।

सही पैटर्न को करें फॉलो: कई बुजुर्ग चलते समय पूरे पैर को एक साथ जमीन पर रखते हैं या पैरों को घसीटते हुए चलते हैं। इससे चाल अस्थिर हो जाती है और ठोकर लगने का खतरा बढ़ जाता है।

क्या करें: बुजुर्गों को फिजियोथेरेपिस्ट से सीखकर एड़ी से पंजे तक चलने की सही तकनीक अपनानी चाहिए। यानी पहले एड़ी जमीन को छुए, फिर पूरा तलवा धीरे-धीरे आगे बढ़े और अंत में पंजे के सहारे शरीर को आगे धकेला जाए। इससे पिंडली, टखने और कूल्हे की महत्वपूर्ण मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जो संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

खड़े होने के बाद तुरंत न चलें: कई बुजुर्ग कुर्सी, बिस्तर या सोफे से उठने के तुरंत बाद गिर जाते हैं। अचानक खड़े होने पर कुछ लोगों का रक्तचाप कुछ क्षणों के लिए कम हो जाता है। इससे चक्कर, धुंधलापन या अस्थिरता महसूस हो सकती है।

क्या करें: जब भी बैठी या लेटी हुई अवस्था से उठें, तो पहले आराम से खड़े हों और लगभग दो सेकेंड तक वहीं रुकें। जब शरीर सामान्य महसूस होने लगे, तभी चलना शुरू करें। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

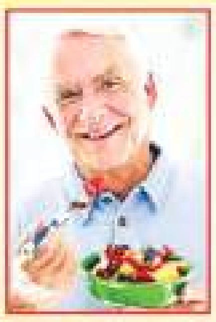

बरतें ये भी सावधानियां

- हड्डियों-मांसपेशियों की मजबूती और संतुलन बढ़ाने के लिए रोज 20-30 मिनट टहलें।
- फिसलन वाले चप्पल या ढीले जूते न पहनें।
- पौष्टिक और संतुलित आहार का सेवन करें। आहार में प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन-डी को पर्याप्त मात्रा में शामिल करें।
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार विटामिन-डी और कैल्शियम सप्लीमेंट लें।
- पैरों की संवेदनशीलता का ध्यान रखें। सुन्नपन, डायबिटीज से जुड़ी न्यूरोपैथी की समस्या या तलवों की कमजोर संवेदना को नजरअंदाज न करें, ये सीधे चाल को प्रभावित करते हैं।
- आंख और कान की जांच कराएं। दृष्टि और भीतरी कान का संतुलन-तंत्र ठीक रखने से पैर रखने की सटीकता बेहतर होती है।
- दवाओं की समीक्षा करवाएं। कुछ दवाएं (जैसे नींद की गोलियां, ट्रैंक्विलाइजर) संतुलन और सतर्कता को प्रभावित करके चाल बिगाड़ सकती हैं।
- घर को सुरक्षित बनाएं। बाथरूम में ग्रैब बार (पकड़ने की रॉड) लगवाएं। फिसलन वाले फर्श पर एंटी-स्लिप मैट रखें।

सजेशन
विधि गोयल

ऐसे पूरी करें विटामिन बी-12 की कमी

विटामिन-बी12 एक ऐसा पोषक तत्व है, जिसकी मात्रा अगर शरीर में कम हो जाए, तो एक नहीं कई परेशानियां शुरू हो सकती हैं। इसकी कमी के कारण नर्व डैमेज होना, एनीमिया, थकान, कमजोरी, हाथ-पैरों में सुन्नपन या झनझनाहट, चक्कर आने और मुंह में छाले जैसे लक्षण नजर आते हैं। डाइटिशियन सची जैन बताती हैं, विटामिन बी-12 की कमी से बोन डेंसिटी भी कम होती है, जिससे हड्डियां नाजुक हो जाती हैं और ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। विटामिन बी-12 रेड ब्लड सेल्स बनाने से लेकर डीएनए बनाने तक के लिए जरूरी होता है। इसकी उचित मात्रा से स्किन, बालों और आंखों को भी फायदा मिलता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स: आहार में नियमित रूप से दूध, पनीर और दही का सेवन शरीर में विटामिन बी-12 की कमी को पूरा करता है। इससे शरीर में एनर्जी का स्तर बना रहता है और बढ़ने वाली थकान कम होने लगती है। रोज एक गिलास दूध या एक कटोरी दही, पनीर और छाछ का सेवन करने से शरीर में दिनभर की 46 फीसदी विटामिन बी-12 की कमी को पूरा किया जा सकता है।

फोर्टिफाइड फूड: बाजार में मिलने वाले ऐसे ओट्स, कॉर्न फ्लेक्स या सोया मिल्क लें, जिनमें बी-12 मिलाया गया हो।

अंडे: उबले अंडे का पीला हिस्सा विटामिन बी-12 से भरपूर होता है। इसका सेवन करने से शरीर को विटामिन बी-12 और प्रोटीन की प्राप्ति होती है। दिनभर में 2 अंडों का सेवन करने से दिन भर की 39 फीसदी विटामिन बी-12 की कमी पूरी हो जाती है। इससे विटामिन-डी भी मिलता है।

मछली और सी फूड: सैल्मन, ट्राउट और टूना जैसी मछलियां शरीर में विटामिन बी-12 की कमी को पूरा करने में मदद करती है। इसके अलावा क्लैम, केकड़े, शेलफिश भी बी-12 का बेहतरीन स्रोत हैं। मछली का सेवन करने से जहां शरीर को फैटी एसिड की प्राप्ति होती है, तो वहीं प्रोटीन की भी कमी को पूरा किया जा सकता है। कलेजी में सबसे ज्यादा बी-12 पाया जाता है। चिकन और रेड मीट भी बी-12 के अच्छे सोर्स होते हैं।

न्यूट्रिशनल यीस्ट: यह एक तरह का पावडर होता है, जिसका स्वाद चीज जैसा होता है। इसे सब्जी या सूप में डालकर खाया जा सकता है।

नट्स-सीड्स: विभिन्न प्रकार के ड्राय फ्रूट्स में भी विटामिन बी12 प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। बादाम, काजू, किशमिश, अखरोट और मूंगफली में भी विटामिन बी-12 पाया जाता है। *

डॉक्टर्स सजेशन
डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब कोल्ड डिश खाने पर लगातार आने लगें छींकें

मेरी उम्र 46 वर्ष है। मैं जब भी कुछ ठंडा खाता-पीता हूं तो तुरंत छींकें आने लगती हैं। प्लीज इस समस्या का समाधान बताएं।

-संजीत, रायपुर

हालांकि आजकल मौसम बदल रहा है, इसलिए इस तरह समस्याएं काफी लोगों में दिख रही हैं। बदलते मौसम में वायरल इंफेक्शन की समस्या बढ़ रही है। इससे बचाव के लिए सबसे बेहतर तरीका है कि इस समय ज्यादा ठंडा या फ्रिज में रखी चीज ना खाएं। अगर समस्या हो रही है तो आपको सुबह-शाम नमक वाले पानी का गरारा करना चाहिए। फिलहाल इस तरह बचाव से राहत मिल सकती है।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। दो साल पहले मैंने अपने घुटने का ऑपरेशन करवाया था। पिछले कुछ समय से फिर से दर्द होना शुरू हो गया है। कृपया उचित समाधान बताएं।

-मूलचंद, बिलासपुर

सबसे पहले इस बात पर गौर करें कि आपके घुटने में कोई चोट तो नहीं लगी, क्योंकि सर्जरी के बाद चोट लगने पर इस तरह दर्द शुरू हो सकता है। अगर ऐसा नहीं है तो जरूर आपको एक बार उसी सर्जन से संपर्क करना चाहिए, जिन्होंने आपकी सर्जरी की है। क्योंकि उन्हें आपकी केस हिस्ट्री पूरी मालूम है और वो दर्द का कारण जानकर ट्रीटमेंट करेंगे। फिलहाल सीढ़ियां अधिक चढ़ना उतरना, रनिंग न करें और ज्यादा वजन न उठाएं।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मेरी सिटिंग जॉब है। पिछले कुछ महीनों से अक्सर मेरी कमर और गर्दन में अकड़न बनी रहती है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-विपिन, रोहतक

आप अपनी समस्या का कारण खुद ही बता रहे हैं, क्योंकि आपकी लंबी सीटिंग जॉब है और इस वजह से यह समस्या आ रही है। मौजूदा समय में लंबी सिटिंग करने वालों में इस तरह की समस्या ज्यादा देखी जा रही है। इसका सबसे बेहतर तरीका यह होगा कि आप सुबह और शाम नियमित रूप में सर्वाइकल और कमर की एक्सरसाइज करें। इसके साथ ही ऑफिस में बीच-बीच में चहलकदमी करते रहें। एक बार आप कैल्शियम, बी-12 और विटामिन-डी की जांच जरूर करवा लें। ऑफिस में बैठने वालों को इसकी कमी हो सकती है, जिस वजह से भी दर्द शुरू होता है।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मेरे चेहरे और माथे पर झाइयां हो गई हैं। मार्केट में मिलने वाले कई सारे प्रोडक्ट्स यूज करने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ। कृपया इसका सॉल्यूशन बताएं।

-प्रकाश, भोपाल

मार्केट में मिलने वाले तरह-तरह के प्रोडक्ट के इस्तेमाल से भी इस तरह की समस्याएं आती हैं। सबसे पहले आप बाजार में मिलने वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल बंद करें और कुछ समय के लिए साबुन का इस्तेमाल भी नहीं करें। आपको एक बार त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वह फिजिकल जांच कर इसका ट्रीटमेंट बताएंगे। बगैर डॉक्टर से संपर्क किए कोई दवा या प्रोडक्ट का इस्तेमाल बिल्कुल ना करें।

मेरी उम्र 60 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मेरे मुंह में छाले हो रहे हैं। दवाइयां लेने पर कुछ समय ठीक रहता है, फिर वापस से छाले निकल आते हैं। प्लीज मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-किशोर, महासमुंद

सामान्य तौर पर मुंह में छाले होने का संबंध पेट की गड़बड़ी से होता है। अगर आपकी पाचन क्रिया प्रभावित है तो मुंह में छाले हो जाते हैं लेकिन अगर ऐसा नहीं है तो जरूर आपको एक बार ईएनटी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वह जांच कर इसका कारण बताएंगे और जरूरत पड़ने पर इसका ट्रीटमेंट शुरू करेंगे। बगैर डॉक्टर से संपर्क के कोई भी दवा आप न लें। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

इलाहाबाद-झाँसी स्नातक निर्वाचनः भाजपा प्रत्याशी अशोक राठौर के समर्थन में तीन जिलों की संयुक्त बैठक

झाँसी, जालौन और ललितपुर के पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने बनाई ऐतिहासिक जीत की साझा

- एमएलसी मानवेंद्र सिंह चौहान ने फूंका चुनावी बिगुल

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। इलाहाबाद-झाँसी (प्रयागराज-झाँसी) खंड स्नातक विधान परिषद चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक सक्रियता तेज कर दी है। इसी क्रम में अधिकृत भाजपा प्रत्याशी अशोक राठौर के समर्थन में झाँसी, जालौन और ललितपुर जिलों के प्रमुख पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई।

मचासीन बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विधान परिषद सदस्य मानवेंद्र सिंह चौहान रामतीर्थ सिंघल एमएलसी ,बाबूलाल तिवारी एमएलसी , रमा निरंजन एमएलसी , अशोक राजपूत क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आनंद सिंह पटेल क्षेत्रीय मंत्री उपस्थित रहे। बूथ स्तर तक संपर्क और एकजुटता पर जोर बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एमएलसी मानवेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि स्नातक निर्वाचन क्षेत्र शिक्षित वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है, जो समाज की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, शिक्षा के क्षेत्र में किए गए सुधारों और युवाओं के लिए सृजित अवसरों को प्रत्येक स्नातक मतदाता तक पहुंचाना संगठन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अशोक राठौर जमीन से जुड़े जुझारू नेता हैं और तीनों जिलों के कार्यकर्ता एकजुट होकर उन्हें ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने का कार्य करेंगे।

प्रत्याशी ने जताया आभार

बैठक में उपस्थित भाजपा प्रत्याशी अशोक राठौर ने शीर्ष नेतृत्व और उपस्थित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जिस विश्वास के साथ उन्हें प्रत्याशी बनाया है, वे स्नातकों, शिक्षकों और युवाओं के अधिकारों की आवाज बनकर विधान परिषद में उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर समर्पित रहेंगे।

चुनावी रणनीति के प्रमुख बिंदुः

मतदाता संपर्क अभियानः झाँसी, जालौन और ललितपुर के प्रत्येक कॉलेज, विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थान और कार्यालयों में पंजीकृत स्नातक मतदाताओं से सीधा संपर्क साधना। तीनों जिलों के विधानसभा स्तर और ब्लॉक स्तर पर प्रभारी नियुक्त कर सूक्ष्म स्तर पर चुनावी प्रबंधन सुनिश्चित करना।शत-प्रतिशत मतदान का लक्ष्यः मतदान के दिन अधिक से अधिक मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक पहुंचाने के लिए विशेष रणनीति तैयार करना। पृख रूप से बैठक में सुधीर सिंह जिलाध्यक्ष (महानगर) , प्रदीप पटेल जिलाध्यक्ष (ग्रामीण) , उर्विजा दीक्षित जिलाध्यक्ष जालौन , हरीशचंद रावत जिलाध्यक्ष ललितपुर , क्षेत्रीय पदाधिकारी, स्नातक एम एल सी चुनाव के संयोजक एवं सह संयोजक और बड़ी संख्या में वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संघर्ष परिवार और आत्मविश्वास एक संतुलित यात्रा

(यंग भारत न्यूज)

संघर्ष..........! मित्रों संघर्ष किसी से लड़ने का नाम पर नहीं अपितु स्वयं को परिस्थितियों के बीच संभालकर आगे बढ़ने का हैं।

माना कुछ रास्ते कठिन होते हैं और कुछ जिम्मेदारियाँ बड़ी होती हैं,

फिर भी मन के भीतर से कहीं एक आवाज़ आती और कहती है -चलते रहो मेरे दोस्त मंज़िल अभी बाकी है.....!

जीवन शायद इसी निरंतर यात्रा का नाम है, जहाँ व्यक्ति को एक साथ न जाने कितने ही मोर्चे सँभालने पड़ते हैं। परिवार की जिम्मेदारियाँ, अपने सपनों के प्रति आकांक्षाएँ, बदलती परिस्थितियाँ और उनके साथ स्वयं को साबित करने की चाह.......! सच पूछिए! तो इन सभी के बीच संतुलन बनाना इतना आसान नहीं होता। यहाँ संघर्ष का अर्थ अपनों से टकराव या विरोध कतई नहीं, अपितु उन परिस्थितियों से है जो हमारे सामने चुनौतियाँ बनकर खड़ी होती हैं। कभी समय कम पड़ जाता है.....! कभी साधन सीमित होते हैं.......! कभी जिम्मेदारियाँ हमें अपनी इच्छाओं से समझौता करने को कहती हैं....! और........! कभी स्वयं के भीतर का संशय ही सबसे बड़ा दुश्मन बन खड़ा हो जाता है। अब सोचिए जरा! ऐसे समय में परिवार हमारी कमजोरी नहीं,हमारी शक्ति बन सकता है....। क्योंकि दोस्तों! अपनों का विश्वास उस दीपक के समान होता है, जो कठिन से कठिन रास्तों में भी दिशा दिखाता है। परिवार के लिए जीते हुए अपने सपनों को जीवित रखना और अपने सपनों की ओर बढ़ते हुए परिवार की भावनाओं को समझना .....यही वास्तविक संतुलन है...! किन्तु इस संतुलन के लिए स्वयं को भी महत्व देना जरूरी है क्योंकि अपने लिए समय निकालना स्वार्थ नहीं है।अपने सपनों को महत्व देना परिवार से दूरी बनाना नहीं है। और कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने का प्रयास करना अपनों की उपेक्षा करना नहीं है....! क्योंकि जो व्यक्ति भीतर से संतुष्ट और आत्मविश्वासी होता है, वही अपने परिवार को भी अधिक मजबूती और सकारात्मकता दे पाता है। जीवन में यह जरूरी नहीं कि प्रत्येक दिन हमारी इच्छाओं के अनुसार बीते। कभी परिस्थितियाँ हमें रोकती हैं, कभी समय हमारी परीक्षा लेता है और कभी सफलता अपेक्षा से अधिक देर से आती है। ऐसे में हमारा आत्मविश्वास ही जो हमें यह याद दिलाता है कि रुकना और हार जाना एक ही बात नहीं है। कभी कुछ कदम धीमे चलना भी आवश्यक होता है....! कभी अपनी प्राथमिकताएँ बदलनी पड़ती हैं। कभी किसी सपने को थोड़ा समय देना पड़ता है। लेकिन सपने को पूरी तरह छोड़ देना ही एकमात्र रास्ता नहीं होता।

परिवार हमारी जड़ें हैं....!

संघर्ष हमारी यात्रा है ...!

और.........

हमारा आत्मविश्वास ही हमारे पंख..!

यदि जड़ें मजबूत होंगी तो हम आँधियों में भी टिके रह सकते हैं और पंखों पर विश्वास हो तो अपनी उड़ान को एक नई दिशा दे सकते हैं। इसलिए जीवन से संघर्ष को हटाने की नहीं, उसे समझने की आवश्यकता है। परिवार से दूर जाने की नहीं, उसके साथ चलते हुए स्वयं के लिए भी स्थान बनाने की आवश्यकता है। और सबसे बढ़कर ..... ? ?परिस्थितियाँ चाहे जैसी हों, स्वयं पर विश्वास बनाए रखने की आवश्यकता है। क्योंकि अंततः जीवन की सबसे सुंदर सफलता वह नहीं, जहाँ केवल मंज़िल मिल जाए अपितु सबसे सुंदर सफलता तो वह है, जहाँ मंज़िल तक पहुँचते-पहुँचते हम अपने रिश्तों को भी सँभालते और संजोकर रखते हैं, अपने सपनों को भी जीवित रखें और स्वयं को भी खोने न दें।यही है संघर्ष, परिवार और आत्मविश्वास के बीच जीवन का वास्तविक संतुलन.....! स्वयं सकारात्मक भाव राखें एवं दूसरों को ही प्रेरित करें। जय सियाराम जी की ?

सीमा शर्मा 'तमन्ना'
नोएडा उत्तर प्रदेश

ललित कला संस्थान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की अनोखी पहल, रंगोली में दिखा विकसित भारत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में सेवा का रंग, राष्ट्र के संग सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय वृहद रंगोली प्रदर्शनी का गांधी सभागार में समापन हुआ। प्रदर्शनी में ललित कला संस्थान के 80 से अधिक विद्यार्थियों ने सामूहिक सहभागिता करते हुए 100म80 फीट की विशाल रंगोली तैयार की। रंगोली के माध्यम से विभिन्न महापुरुषों के चित्रों के साथ भारत की प्रगति, विभिन्न विकास योजनाओं और विकसित भारत की परिकल्पना को कलात्मक एवं प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया गया। विशाल क्षेत्र में तैयार की गई रंगोली में विद्यार्थियों ने रंगों, आकृतियों और रेखाओं के माध्यम से राष्ट्रीय विकास और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों को प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की सामूहिक रचनात्मकता, अनुशासन और निरंतर श्रम इस पूरी प्रस्तुति में दिखाई दिया। लगभग 30 घंटे के अथक परिश्रम के बाद तैयार हुई इस रंगोली ने प्रदर्शनी को विशेष आकर्षण प्रदान किया। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव ज्ञानेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प और विभिन्न योजनाओं को केंद्र में

रखकर विद्यार्थियों ने जिस प्रकार रंगोली तैयार की है, वह उनकी सृजनात्मक प्रतिभा, लगन, एकता और परिश्रम का परिचायक है। भारत की प्रगति और उन्नति के मार्ग को दर्शाने वाली योजनाओं तथा विकसित भारत की परिकल्पना को जिस कलात्मकता से प्रस्तुत किया गया है, वह सराहनीय है। परीक्षा नियंत्रक राजबहादुर ने कहा कि ललित कला संस्थान के 80 से अधिक विद्यार्थियों ने डॉ. श्वेता पाण्डेय, डॉ. अजय कुमार गुप्ता एवं गजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में करीब 30 घंटे में इस वृहद रंगोली को तैयार किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह कलात्मक प्रस्तुति मीडिया के माध्यम से व्यापक स्तर पर पहुंचने के साथ विभिन्न योजनाओं और विकसित भारत की परिकल्पना के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी। उप कुलसचिव सुनील सेन ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय को अपने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों पर गर्व है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने जिस उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ इस आयोजन में सहभागिता की, वह उनकी रचनात्मक क्षमता और सामूहिक कार्य भावना को दर्शाता है। उप कुलसचिव शेख अंजुम ने कहा कि विद्यार्थियों ने रंगोली के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा के साथ राष्ट्रीय सरोकारों को भी प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया है। यह प्रस्तुति उनकी कल्पनाशीलता, सामूहिक भावना और परिश्रम का परिचायक है। नोडल संपर्क अभियान प्रो. मुन्ना तिवारी ने कहा कि रंगोली कला अंतर्मन की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। ललित कला संस्थान के विद्यार्थियों ने रंगों और आकृतियों के माध्यम से सेवा और संकल्प की भावना को प्रभावी रूप से अभिव्यक्त किया है। प्रदर्शित रंगोली चित्रों में विद्यार्थियों की आंतरिक अभिव्यक्ति, रचनात्मक सोच और सामाजिक सरोकार स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए संस्थान की समन्वयक एवं संयोजक डॉ. श्वेता पाण्डेय ने रंगोली के उद्देश्य और उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का अवसर देने के साथ नई ऊर्जा और रचनात्मक दिशा प्रदान करते हैं। विकसित भारत की संकल्पना पर विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई रंगोली के प्रत्येक चित्र में कोई न कोई सार्थक संदेश निहित है। रंगोली निर्माण में विद्यार्थियों ने टीम भावना के साथ कार्य किया। टीम लीडर के रूप में काजल ओझा, शिवदयाल, नरेश राजपूत, नैनी माहिर और रूबी ने जिम्मेदारी संभाली। इनके साथ विभाग की ममता परिहार, शिवानी, निशा, आदेश अहिरवार, प्रिया, सलोनी, वैष्णवी, प्रिंस, लिपिका, राघव, फैसल, दीपिका, धरू और आर्यन सहित अन्य विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। विद्यार्थियों ने विभिन्न समूहों में कार्य करते हुए रंगोली की रूपरेखा तैयार करने से लेकर रंग संयोजन और अंतिम रूप देने तक की जिम्मेदारियां निभाई। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा के साथ उनके सामूहिक समन्वय और कार्य के प्रति समर्पण को भी सराहा गया। इतने बड़े क्षेत्र में रंगोली निर्माण के लिए विद्यार्थियों ने निरंतर श्रम करते हुए निर्धारित समय में प्रस्तुति को अंतिम रूप दिया। समापन अवसर पर प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को उनकी योग्यता एवं सहभागिता के आधार पर प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अजय कुमार गुप्ता, डॉ. दिलीप कुमार एवं गजेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. रानी शर्मा, डॉ. अंकिता शर्मा, डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. बृजेश कुमार, डॉ. संतोष कुमार सहित संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जन चौपाल में विधायक ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, पात्रों को योजनाओं का लाभ दिलाने के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

कोंच विकासखंड नदीगांव क्षेत्र की ग्राम पंचायत तूमरा, बाबली और भखरौल में गुरुवार को जन चौपालों का आयोजन किया गया। चौपाल में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक मूलचंद्र निरंजन ने ग्रामीणों से संवाद कर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिलने की स्थिति जानी।विधायक ने मौके पर मौजूद विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों को पेंशन, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, शौचालय और प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक सुविधाएं पहुंचाना है, इसलिए पात्र लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।उन्होंने अधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं को व्यवस्थित रखने के साथ ही गांवों में साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। विधायक ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं से किसी भी पात्र व्यक्ति को वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों की स्थानीय समस्याओं को भी सुना और संबंधित अधिकारियों से उनके निस्तारण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।अतिवृष्टि के कारण फसलों को हुए नुकसान का मुद्दा भी जन चौपाल में प्रमुखता से उठा। विधायक मूलचंद्र निरंजन ने कहा कि किसानों के हितों को लेकर सरकार गंभीर है। अतिवृष्टि से प्रभावित फसलों का आकलन कर दैवीय आपदा राहत कोष के माध्यम से प्रभावित किसानों को जल्द सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।इस दौरान विधायक ने क्षेत्र में कराए गए महत्वपूर्ण विकास कार्यों की जानकारी ग्रामीणों को दी। साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने ग्रामीणों से सरकार की योजनाओं का लाभ लेने और विकास कार्यों में सहयोग करने की अपील की। चौपाल में पहुंचने से पहले ग्राम प्रधानों और ग्रामीणों ने विधायक मूलचंद्र निरंजन का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस मौके पर एडीओ पंचायत लक्ष्मण चौरसिया, ग्राम पंचायत सचिव दीपक कुशवाहा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मॉर्डन पब्लिक स्कूल में संयुक्त राष्ट्र संघ की विभिन्न समितियों, भारतीय संसद एवं उत्तर प्रदेश विधान सभा के प्रतिरूप कार्यशालाओं का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी झांसी के प्रतिष्ठित विद्यालय मॉर्डन पब्लिक स्कूल में संयुक्त राष्ट्र संघ की विभिन्न समितियों, भारतीय संसद एवं उत्तर प्रदेश विधान सभा के प्रतिरूप कार्यशालाओं का आयोजन ' :विभिन्न समसामयिक विषयों पर आधारित भारतीय छात्र संसद सम्मेलन, झाँसी के प्रतिष्ठित मॉडर्न पब्लिक स्कूल कानपुर रोड एवं मॉडर्न स्कूल सिविल लाइन झाँसी के युवाओं के बीच हुआ । समितियों में भारतीय समाज में राजनीतिक परिवर्तन, वैश्विक चुनौतियों , भारत पर पड़ने वाले प्रभाव और उनके समाधान पर प्रतिभागियों लोकतांत्रिक पद्धति से वाद विवाद किया । दिलचस्प बात यह है कि इनमें भाग लेने वाले विद्यार्थीयो ने विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायक , सांसद एवं राष्ट्रों के प्रतिनिधियों के रूप में अपने विचार वर्तमान विषयों पर प्रदर्शित किए । मॉडर्न ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के फाउंडर चेयरमैन कैप्टन अरविन्द विश्वनाथन एवं फाउंडर चेयरपर्सन श्रीमति शांति विश्वनाथन के साथ प्रबंध निदेशक श्री अपूर्व शुक्ला एवं मॉडर्न पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमति रत्ना विश्वनाथन द्वारा पुरस्कार प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया 7 साथ ही चेयरमैन डॉ रोहिन विश्वनाथन एवं मॉडर्न स्कूल की प्राचार्या श्रीमति अंशिता विश्वनाथन ने विजयी प्रतिभागियो को मेडल पहनाकर सम्मानित किया सभी छात्र - छात्राओ को संबोधित करते हुए कहा कि एक सभा से कहीं बढ़कर, युवाओं के नेतृत्व वाला यह आंदोलन भारत के परिवर्तनकारी भविष्य की धड़कन का प्रतिनिधित्व करता है। यह सम्मेलन एक जीवंत, साँस लेने वाला स्थान है जहाँ युवा ऊर्जा का मिलन अनुभवी ज्ञान से होता है—यह नेतृत्व प्रशिक्षण, संवाद का एक ऐसा वातावरण प्रदान करता है जो उपस्थित लोगों को गहराई से सोचने और निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। मॉडर्न ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के सभी प्रतिभागियों से कहा कि यह विविध क्षेत्रों—राजनीति, शासन, अध्यात्म और मीडिया—से दूरदर्शी नेताओं को एक साझा मिशन को साथ लाता है: हज़ारों युवा भारतीयों में नैतिक नेतृत्व और नागरिक भागीदारी के लिए प्रेरणा, सशक्तिकरण और उत्साह जगाना, जहाँ छात्र - छात्रायेँ अग्रणी भूमिका निभाएँगे, जो न केवल अपने ज्ञान को साझा करेंगे, बल्कि उस समर्पण और वैश्विक मूल्यों को भी प्रदर्शित करेंगे । अंत में कार्यक्रम के अध्यक्ष सचिन शर्मा ने सभी विजेताओं , प्रतिभागियों को बधाई दी एवं विद्यालय प्रबंधक समिति के सदस्यों को सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया ।

सेवा संकल्प अभियान में विद्यार्थियों ने लिया राष्ट्र निर्माण का संकल्प

सेवा का संकल्प ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की नींवः जवाहर राजपूत

(यंग भारत न्यूज)

मोंठ। गांधी ग्रामोद्योग महाविद्यालय, भरोसा मोंठ में गुरुवार को 'सेवा संकल्प अभियान-2026' के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय प्रतीकों एवं विकसित भारत-2047 की थीम पर आकर्षक रंगोली बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही भाषण एवं गीतों के माध्यम से शिक्षा, संस्कार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जवाहर लाल राजपूत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, 'सेवा केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था का दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। युवा शक्ति यदि शिक्षा, संस्कार और राष्ट्रसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़े तो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का सपना निश्चित रूप से साकार होगा।' 'सेवा का संकल्प ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की नींव है। युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।' कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। गरौठा विधायक जवाहर राजपूत ने विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विधायक जवाहर लाल राजपूत ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रहित एवं समाज सेवा के लिए संकल्प भी दिलाया। प्राचार्या पूनम सिन्हा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

भक्ति में सरोवर हुए भक्त और भजनों पर भक्तों ने किया जमकर नृत्य

निर्धनता में भी संतोष और श्रद्धा हो तो भगवान स्वयं कृपा बरसाते है - पं.नितिन कृष्ण जी महाराज

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी - श्री गौड़ बाबा सिद्धाश्रम प्रेमनगर में नारायण सेवा संस्थान उदयपुर के तत्वावधान में आज अंतिम दिवस में भागवत महापुराण की कथा श्रवण कराते हुए युवराज पं.नितिन कृष्ण जी महाराज ने श्रीकृष्ण एवं सुदामा चरित्र की लीलाओं की कथा सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। और सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि निर्धनता में भी संतोष और श्रद्धा हो तो भगवान स्वयं कृपा बरसाते हैं। उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को भक्ति, प्रेम और वैराग्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। परीक्षित मोक्ष प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। कथा के दौरान राधा-कृष्ण एवं सुदामा चरित्र की मनोहारी झांकियां प्रस्तुत की गईं, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। भजनों पर भक्तों ने जमकर नृत्य किया। व नारायण सेवा संस्थान उदयपुर की ओर से महिम जैन, कैलाश साल्वी, रामजी मीना ने सभी भक्तों का अभिवादन किया उसके पश्चात महिम जैन ने दिव्यांग बच्चों के बारे में बताया और दिव्यांग बच्चों के ऑपरेशन के लिए एवं उनकी देखभाल के लिए जो भी धनराशि सहयोग या किसी भी प्रकार का योगदान करना चाहे तो वह सहयोग कर सकता है उस पर भी विस्तृत चर्चा की साथ ही बताया कि नारायण सेवा संस्थान के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया, संस्थापक चेयरमैन पूज्य कैलाश जी मानव, निदेशक एवं ट्रस्टी देवेंद्र चौबीसा के द्वारा प्रारंभ से ही दिव्यांगजनों के लिए कई प्रकल्पों एवं सेवा कार्यो को चलाया जा रहा साथ ही दिव्यांग बधुओं को स्वावलंबी बनाने हेतु संस्थान द्वारा कई प्रशिक्षण सेंटर भी चलाए जा रहे है। संस्थान का उद्देश्य भूखे को भोजन - बीमार को दवा, यही है नारायण सेवा। तथा आज कार्यक्रम में धर्मगुरु के रूप में आचार्य मनोज थापक ज्योतिषाचार्य एवं हस्त रेखा विशेषज्ञ, पं.बृजेश कृष्ण शास्त्री राष्ट्रीय भागवताचार्य, पं.मुरारी महाराज पुजारी - श्री बालाजी मंदिर नंदनपुरा उपस्थित रहे व आज भागवत पूजन एवं आरती में मुख्य रूप से बिहारी लाल आर्य महापौर नगर निगम झांसी, सुधीर सिंह जिलाध्यक्ष भाजपा झांसी महानगर, पं.मैथलीशरण मुदगिल, इंजी.शशिकांत द्विवेदी, रामआसरे गुप्ता, दिलीप मुदगिल, भरत सेन सभासद, आशीष तिवारी सभासद, हरिओम मिश्रा सभासद, अंकुर नरेश ठेकेदार, हिर्देश चतुर्वेदी रानू महाराज, प्रदीप जिझौतिया, शंभू शरण द्विवेदी, राकेश पाठक, राम कुशवाहा, ठा.ऋषभ सिंह, ऋषि चतुर्वेदी, महेश राय, अरुण साहू, सूरज तिवारी डब्बू चौबे, विश्वनाथ मिश्रा, सुरेंद्र जी, रामकुमार मिश्रा, प्रवीण शास्त्री, आलोक शास्त्री, मयंक पटेरिया, हरिओम शास्त्री, केशवदास, रिछारिया महाराज एवं रूपम मुदगिल, मांडवी चतुर्वेदी, अनीता जिझौतिया, शिवांगी मुदगिल, ममता महरौलिया, स्वाती परमार, सरोज गुप्ता, रामजानकी पाठक सहित आदि भक्तगण उपस्थित रहे। और कार्यक्रम का संचालन पं.सियारामशरण चतुर्वेदी ने किया अंत में आभार पं.विनोद चतुर्वेदी महाराज ने किया।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718